वर्ष 4
अंक 5
मई 2025

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

आईएसबीएन : 978-93-7029-801-9

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

आरोग्य पथ

Editors :

Dr. Vimal Kumar Dubey (Chief Editor)

Dr. Sadhvi Nandan Pandey (Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 31

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9999764424, 8765005177

E-mail : mguniversitygkp@mgug.ac.in

आरोग्य पथ
वर्ष-4, अंक-05 मई, 2025 मासिक ई-पत्रिका

सम्पादकीय

ऑपरेशन सिंदूर : संकल्प का सिंदूर

भारत हमे प्राणों से भी अतिप्रिय है, हमारे प्रत्येक श्वास-प्रश्वास में भारत के प्राण स्पन्दित होते हैं। हमारी हर धड़कन में मातृभूमि का वात्सल्य धड़कता है। आदि-अनादि काल से भारत ने इस जगत को धर्म-शान्ति, सहिष्णुता बन्धुत्व परोपकार त्याग व वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से परिचित करवाया है।

इतिहास साक्षी है कि करूणा व दया की मूल भावना से अभिसिंचित करने वाला भारत ने कभी भी अपनी सीमाओं का उल्लंघन कर अन्य संस्कृति व सभ्यताओं पर अकारण युद्ध अथवा आक्रमण नहीं किया। रामायण, महाभारत जैसे महाकाव्य इस बात का प्रमाण है कि भारत हमेशा धर्म के विरूद्ध शक्तियों का प्रतिरोध कर धर्म युद्ध में सम्मिलित रहा है। भारतीय परम्परा और उसके आदर्श मूल्यों की शुचिता की गरिमा बनाये रखने व इसकी रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व आहुति देने वाले महापुरूषों व बलिदानियों की एक लम्बी परम्परा अपने देश में रही है।

करूणा, प्रेम और भ्रातृत्व भाव के लिए आज भी विश्व भारत की ओर देखता है। एक विशाल महासागर की भाँति भारत ने कई संस्कृतियों, सभ्यताओं, जाति, धर्म को अपने में समाहित कर रखा है। भारतीय परम्परा शांति की उपासक है, लेकिन जब भी अधर्मियों ने नाहक अकारण युद्ध करने की चेष्टा की तब उन्हें उनके नियत स्थान पर पहुँचा दिया गया। स्वतंत्र भारत की नीव सन 1947 में पड़ी, अखण्ड भारत अपने मूल परीवेश में न रहा व खण्डित हो गया। इस्लामिक पैरोकारो ने अपनी सांस्कृतिक पहचान के लिए अलग राष्ट्र की मांग की व तत्कालिन राजनैतिक परिवेश के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। स्वतंत्रता के समय से ही वामपंथी चीन व इस्लामिक राष्ट्र पाकिस्तान ने भारत को सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक व राजनैतिक रूप से अस्थिर करने की चेष्टा की व समय-समय पर प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से आतंकवाद व युद्ध के माध्यम से यहाँ के सामाजिक, धार्मिक धर्मनिरपेक्ष ताना-बाना को क्षीण करने का कुत्सित प्रयास जारी रखा। पाकित्सान जो एक असफल, अराजक, असमाजिक, अलोकतांत्रिक व आतंकवाद का पर्याय है, उसने अपने प्रसव के साथ ही अपनी समस्त उर्जा भारत को अस्थिर करने में लगा दी। सन 1941, 1965, 1971, 1999 व 2005 में उसने भारत के साथ षडयंत्र रचने हेतु छद्म युद्ध करने की कोशिश की किन्तु सफल न हो सका।

22 अप्रैल 2025 भारत का काश्मीर राज्य कश्यप ऋषि की पावन तपो भूमि भारत का मुकुट व आत्मसम्मान का प्रतीक में आतंकियों द्वारा धर्म विशेष की पहचान कर निर्दोषों को मौत के घाट उतार दिया गया। भारत ने पूर्व में भी पाकिस्तान द्वारा ऐसे कुकृत्य व कायराना हमले देखें हैं। धर्म पूछकर कलमा पढ़ने के लिए विवश करतें हुए ऐसे 26 निरीह लोगों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। आतंकवादियों ने बर्बरता को अंजाम देकर यह संदेश देने की कोशिश की वे भारत में अराजकता फैला सकते हैं। वे हमारे धर्म स्थल व शांत पर्यटन स्थल पर भी रक्तपात कर सकते हैं। इस हमले को सिर्फ आतंकवादी घटना कहना न्याय संगत नहीं होगा। यह मानवता के मुल्यों पर कुठाराघात करते हुए एक नंगा नाच था।

इस घटना क्रम से पूरा देश व्यथित व आक्रोशित था। निर्दोष व धार्मिक आधार पर निशाना बनाना इस बात का द्योतक था कि आतंकवादी भारत के सामाजिक, धार्मिक, धर्मनिरपेक्ष ताना-बाना को नष्ट कर यहाँ के सौहार्द को नष्ट करना चाहते हैं। इस हमले के बाद देश में आक्रोश व शोक की लहर दौड़ पड़ी, भारतीय रणनितिकारों ने इस कृत्य को देश पर सीधे हमला मानते हुए पाकिस्तान को जिम्मेदार समझा और इस प्रतिशोध को पूरा करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर इसलिए रखा गया क्योंकि यह सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं था। बल्कि भारत की उन बेटियों के सिंदूर का प्रतीक था, जिनके सुहाग उस दिन आतंकवादियों ने छीन ली।

यह संकल्प का सिंदूर था, आतंकवादियों के हर साजिश का अंत किया जायेगा, ऐसे प्रण का संकल्प था।

भारत का शीर्ष नेतृत्व रक्षा मंत्रालय तीनो सेनाओं के प्रमुखों ने मिल कर एक सुनियोजित और सटीक जवाबी कार्यवाही की रुप-रेखा तैयार की। ऑपरेशन सिंदूर एक बहुत ही जटिल व बहुआयामी ऑपरेशन था। इसमें सैन्य कार्यवाही के साथ कुटनीतिक दबाव और मनोवैज्ञनिक युद्ध भी शामिल था। भारत के तीनों सेनाओं ने समन्वय स्थापित कर पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए उसके आधारभुत रक्षा प्रतिस्थापनाओं पर आक्रमण कर उसे तीन दिन के अन्दर घुटने टेकने पर विवश कर दिया। इस अंशकालिक संघर्ष ने भारत के सैन्य पराक्रम व स्वदेशी तकनिकों द्वारा स्वनिर्मित युद्ध उपकरणों रडारों, मिसाईलों व संचार के साधनों की उपयोगिता सिद्ध की। भारत ने विश्व को दिखा दिया कि यह देश शांति के साथ विवश करने पर युद्ध कौशल में भी परांगत हैं और कोई भी विदेशी ताकत इसकी अखंडता, सम्प्रभुता, समजिक व धार्मिक ताने-बाने को क्षीण नहीं कर सकता।

प्रकाशक
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

माह विशेष

बुद्ध पूर्णिमा

बुद्ध पूर्णिमा (वेसक या हनमतसूरी) बौद्ध धर्म में आस्था रखने वालों का एक प्रमुख त्यौहार है। यह वैशाख माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा पर्व हिंदू और बौद्ध दोनों ही धर्मों के लोग मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान बुद्ध के रूप में भगवान विष्णु के नौवें अवतार का जन्म हुआ था। वैशाख शुक्ल पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा या पीपल पूर्णिमा कहा जाता है। प्रत्येक माह की पूर्णिमा जगत के पालनकर्ता श्री हरि विष्णु भगवान को समर्पित होती है। यह भी माना जाता है कि भगवान बुद्ध की वैशाख पूजा 'दत्थ गामणी' (लगभग 100-77 ई. पू.) नामक व्यक्ति ने लंका में प्रारम्भ करायी थी।

563 ई.पू. वैशाख मास की पूर्णिमा को बुद्ध का जन्म लुंबिनी, शाक्य राज्य (आज का नेपाल) में हुआ था। ।इस पूर्णिमा के दिन ही 483ईण् पूण् में 80 वर्ष की आयु में 'कुशनारा' में उनका महापरिनिर्वाण हुआ था। वर्तमान समय का कुशीनगर ही उस समय 'कुशनारा' था। बुद्ध पूर्णिमा का संबंध बुद्ध के साथ केवल जन्म भर का नहीं है बल्कि इसी पूर्णिमा तिथि को वर्षों वन में भटकने व कठोर तपस्या करने के बाद बोधगया में बुद्ध को सत्य का ज्ञान हुआ था तभी से यह दिन बुद्ध पूर्णिमा के रूप में जाना जाता है। पूर्णिमा के दिन उनका महानिर्वाण भी हुआ था। गौतम बुद्ध ने चार सूत्र दिए उन्हें 'चार आर्य सत्य' के नाम से जाना जाता है। पहला दुःख है दूसरा दुःख का कारण तीसरा दुख का निदान और चौथा मार्ग वह है जिससे दुःख का निवारण होता है। भगवान बुद्ध का अष्टांगिक मार्ग वह माध्यम है जो दुख के निदान का मार्ग बताता है। बिहार स्थित बोधगया नामक स्थान हिन्दू व बौद्ध धर्मावलंबियों के पवित्र तीर्थ स्थान हैं। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर बुद्ध की महापरिनिर्वाणस्थली कुशीनगर में स्थित महापरिनिर्वाण विहार पर एक माह का मेला लगता है। पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्त्व है। हिंदू और बौद्ध दोनों ही धर्मों में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान, दान, पूजा, अनुष्ठान और व्रत रखने का महत्व होता है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बोधगया में दुनियाभर से बौद्ध धर्म मानने वाले यहां आते हैं। बोधि वृक्ष की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इसी वृक्ष के नीचे गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

प्रकाशक
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

हमारी विरासत

न्याय दर्शन के प्रणेता महर्षि गौतम

महर्षि गौतम जिन्हें अक्षपाद गौतम के नाम से प्रसिद्धि प्राप्त है, न्याय दर्शन के प्रथम प्रवक्ता माने जाते हैं। अक्षपाद गौतम ने न्याय दर्शन का निर्माण तो शायद नहीं किया, पर यह कहा जा सकता है कि न्याय दर्शन का सूत्रबद्ध, व्यवस्थित रूप अक्षपाद के न्यायसूत्र में ही पहली बार मिलता है। वात्स्यायन के अनुसार, न्याय शब्द का अर्थ है प्रमाणैरार्थपरिक्षणं न्यायः। न्यायशास्त्र को तर्क, साक्ष्यवाद, तर्क-वितर्क, वाद-विवाद और अनुमान अर्थात् समीक्षात्मक परीक्षण भी कहा जाता है। न्यायशास्त्र का लक्ष्य कष्ट निवारण करना, कष्ट दूर करना, करना अर्थात् मोक्ष प्राप्त करना है। न्यायशास्त्र के अनुसार यह जगत् 'सत्य' है।

न्यायवार्त्तिककार उद्योतकराचार्य ने इनको इस शास्त्र का कर्ता नहीं वक्ता कहा है। यदक्षपादः प्रवरो मुनीनां शमाय शास्त्रं जगतो जगाद।

हर एक नैयायिक अक्षपाद गौतम को आप्त (यथार्थवक्ता) के रूप में देखता है और उनके वचनों को कभी अपनी मती के तो कभी प्रचलित न्याय परम्परा के अनुसार स्पष्टीकरण और समर्थन करने का प्रयास करना है। गौतम के न्याय दर्शन का प्रधान प्रतिपाद्य विषय प्रमाण और बाद है। इसीलिए गौतम का न्याय दर्शन मुख्यतः प्रणालीशास्त्र है। इनके न्याय दर्शन के सोलह पदार्थ इस प्रकार हैं। प्रमाण, प्रमेय, संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धांत, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा, हेत्वाभास, छल, जाति, निग्रह स्थान।

महर्षि के अनुसार तत्वज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रमाणों का सहारा लेना आवश्यक है तथा तत्वज्ञान का संरक्षण तथा संवर्धन करने के लिए वाद पद्धति का सहाय्य ज़रूरी है। गौतम कहते हैं कि जिस प्रकार बगीचे को पशुओं से तथा चोरों से बचाने के लिए उसकी सीमाओं पर कांटें बिखेरने पड़ते हैं, उसी प्रकार अल्प, वितण्डा आदि वाद प्रकारों का बुरे होते हुए भी तत्वनिश्चय का रक्षण करने के लिए इस्तेमाल करना पड़ता है। नैयायिकों को चाहिए कि वे उनका इस्तेमाल जब कभी ज़रूरत हो करें।

गौतम के अनुसार प्रमाण, यथार्थ ज्ञान के चार साधन हैं.प्रत्यक्ष प्रमाण, अनुमान प्रमाण, उपमान प्रमाण, शब्द प्रमाण। प्रत्यक्षज्ञान के असाधारण कारण को प्रत्यक्ष ज्ञान कहा जाता है। प्रत्यक्ष ज्ञानं प्रत्यक्षम्। इन्द्रिय एवं पदार्थ के संबन्ध से उत्पन्न होने वाला ज्ञान ही प्रत्यक्ष ज्ञान कहा जाता है। अनुमान 'प्रत्यक्षपूर्वक' ज्ञान है। गौतम के अनुसार अनुमान तीन प्रकार का है। पूर्ववत, शेषवत् और सामान्यतोदृष्ट। जिसमें पूर्वकालीन उदाहरणों के आधार पर वर्तमानकालीन या भविष्यकालीन साध्य सिद्ध किया जाता है, वह पूर्ववत् अनुमान है। धूम और अग्नि का हमेशा साथ रहना हमने देखा है, इससे हम वर्तमान में देखे गए धूम के बारे में अनुमान लगाते हैं कि यह धूम भी किसी अग्नि से उत्पन्न हुआ है।

जिसमें वर्तमान वस्तु स्थिति का ही एकदेश देखकर उसके अवशिष्ट देश के सम्बन्ध में अनुमान किया जाता है, वह शेषवत् अनुमान है। जैसे कि समुद्र की एक बूँद चखकर समुद्र का सारा पानी खारा है, ऐसा अनुमान।
चंद्र की गति हम प्रत्यक्षतः नहीं देख सकते, लेकिन चंद्र अपना स्थान बदलता है, इतना हम देख सकते हैं। हम अनुमान लगाते हैं कि चंद्र ज़रूर गतिमान है। ऐसा सामान्यतोदृष्ट अनुमान कहलाता है।

तीसरा उपमान प्रमाण है। उपमान किसी अप्रसिद्ध वस्तु की ऐसी जानकारी है, जो प्रसिद्ध वस्तु के साथ उसका साधर्म्य जानकर होती है। जैसे हमें अगर गवय नामक प्राणी की जानकारी न हो और हमें किसी सत्य वक्ता ने बताया हो कि गवय बैल होता है, तो उसके बताए हुए साक्ष्य के आधार पर हम गवय को पहचान सकते हैं। चौथा शब्द प्रमाण है, जो आप्त (यथार्थवक्ता) का वचन है।

महर्षि से पहले भी यह विद्या अवश्य रही होगी। इन्होंने तो सूत्रों में बाधकर इसे सुव्यवस्थित, क्रमबद्ध एवं पूर्णांग करने का सफल प्रयास किया है। इससे शास्त्र का एक परिनिष्ठित स्वरूप प्रकाश में आया और चिन्तन की धारा अपनी गति एवं पद्धति से आगे की ओर उन्मुख होकर बढ़ने लगी।

प्रकाशक
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला : उद्घाटन समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

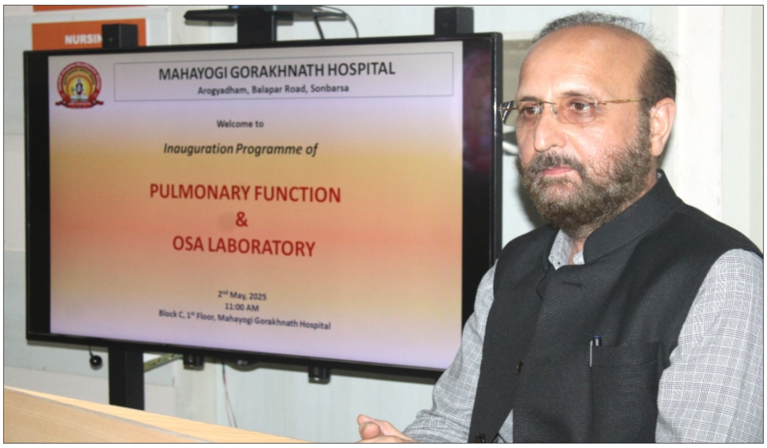

ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन व सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह

दिनांक: 02 मई, 2025 को महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया, जो श्वसन रोगों के निदान के लिए एक उन्नत सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्लीप डिसऑर्डर के लिए समर्पित गोरखपुर की पहली ओएसए प्रयोगशाला है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह उपस्थित रहें।

अन्य प्रमुख अतिथियों में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य, डीन अकादमिक, डीन आईक्यूएसी, डीन प्रशासन, डीन एलाइड हेल्थ साइंसेज़, एलाइड हेल्थ साइंसेज़ के प्राचार्य और फार्मास्युटिकल साइंसेज़ के प्राचार्य सम्मिलित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में चिकित्सा निदेशक डॉ. राजीव पाठनी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए चिकित्सालय की सेवा भाव एवं उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, 'नींद संबंधी विकार एक मूक महामारी हैं, जो शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव डालते हैं।'

चेस्ट मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ गोयल ने फेफड़ों के रोगों के प्रबंधन में डायग्नोस्टिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से बताया। शरीर क्रिया विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ. बीनू प्रजापति ने स्पाइरोमेट्री और स्लीप लैब जांच की कार्यप्रणाली को स्पष्ट किया।

मुख्य अतिथि डॉ. सुरिंदर सिंह ने अपने संबोधन में चिकित्सा निदेशक एवं उनकी टीम को इस पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय की यह पहल न केवल क्षेत्र में विशेष चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी, बल्कि विभिन्न कोर्सों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं शिक्षा का माध्यम भी बनेगी।

इस अवसर पर उन्होंने आने वाले समय में सीटी स्कैन, एमआरआई और कैथ लैब की स्थापना की घोषणा भी की।

कार्यक्रम का समापन औपचारिक रिबन काटने के साथ हुआ। चिकित्सा निदेशक ने मुख्य अतिथि, आयोजन समिति और सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद दिया।

समावर्तन संस्कार

फार्मेसी विभाग

समावर्तन संस्कार के दौरान प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

दिनांक: 03 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फार्मेसी विभाग में आज डी.फार्म 2023–2025 बैच के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह भावुक और हर्षोल्लास से भरा कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में बड़े ही गरिमामय तरीके से संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल् साइंसेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। उन्होंने छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि 'विद्यार्थी जीवन का यह पड़ाव केवल एक अंत नहीं, बल्कि नए प्रारंभ की ओर एक कदम है।'

कार्यक्रम में फार्मेसी संकाय के शिक्षकगणों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया।

उपस्थित शिक्षकों में श्री प्रवीण सिंह, श्री पीयूष आनंद, श्री दिलीप मिश्रा, डॉ. अमित उपाध्याय, श्री दीपक कुमार, मिस जूही तिवारी, मिस नंदिनी जायसवाल, मिस पूजा जायसवाल, तथा मिस श्रेया मद्देशिया शामिल रहें। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और उनके साथ बिताए गए समय को याद किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँए अनुभव साझा करने के क्षण और भावनात्मक विदाई

संदेशों ने माहौल को यादगार बना दिया। छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय और विभाग से प्राप्त ज्ञान व मार्गदर्शन उनके पूरे जीवन में उनके साथ रहेगा।

इस अवसर पर सभी शिक्षकों ने छात्रों के सुनहरे भविष्य की कामना की और कार्यक्रम का समापन सामूहिक फोटो व धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अतिथि व्याख्यान

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

अतिथि व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए श्री एल वेंकटेश्वरलू एवं उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए डॉ. सुनील कुमार सिंह

दिनांकः 03 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत के संबंध में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता प्रमुख सचिव समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश आईएएस श्री एल वेंकटेश्वरलू जी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण मे कर्मयोग अभ्युदय का संकल्प प्रेरणादायक है ।

आज समय का प्रबंधन आवश्यक है, बातों से नहीं व्यस्था में अनुशासन होना चाहिए। अदृश्य सत्ता को कर्म योग प्रकट करता हैं। कर्म योग से अदृश्य शक्ति का आनंद प्राप्त होता हैं कर्म योग से धर्म और संस्कृति के रक्षा का संकल्प प्रेरणा मिलता है कामना से व्यक्ति विचलित होता हैं धर्म को धारण करने पर आनन्द की प्राप्ति होती हैं। धर्म से विमुख होकर मानव पथ भ्रष्ट हो जाता है। भारत की वैदिक संस्कृति और चिकित्सा पद्धति में ऋषिमुनियों और हमारे पूर्वजों ने ज्ञान को आत्मसात कर विश्वगुरु होने का सौभाग्य ग्रहण किया है। विकसित भारत के अभ्युदय में युवाओं की महती भूमिका है, स्वस्थ मन, अनुशासन और लक्ष्य से विकसित भारत के अभ्युदय की सिद्धि होगी जिसमें हम सभी को अपने जीवन लक्ष्य से विकसित भारत के दिव्य अभ्युदय में आहुति देने का संकल्प लेना होगा।

मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने विद्यार्थियों और समाज के हर वर्ग को शिक्षा के अधिकार देने के संकल्प से अभ्युदय योजना को साकार किया है। जिसने विद्या का अमृत ज्ञान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को अभ्युदय योजना से लाभान्वित होकर विद्या की रोशनी को ग्रहण किया है।

कर्मयोग की प्रधानता पर विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन करते हुए श्री एल वेंकटेश्वरलू जी ने कहा कि विद्यार्थियों को वर्तमान सोशल मीडिया और समाज की चकाचौंध से बचते हुए शिक्षा को जीवन का लक्ष्य बनाकर ज्ञानार्जन करे तो जीवन के भटकाव दूर होकर सभी क्षेत्रों में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

प्रकृति ईश्वरी व्यवस्था है कर्म के बिना फल की प्राप्ति नहीं होती है। प्रकृति विज्ञान से संचालित है, सभी गतिविधियों में अध्यात्म विज्ञान है, शरीर और मन के विज्ञान को सही करना है।

फिजिक्स के नियमों पर चले व्यवस्था को मजबूत बनाने में नेतृत्व करे स्वयं आगे बढ़े और दूसरों को भी आगे बढ़ाने में आत्म चेतना संजीवनी दे।

जो भोगी होगा रोगी होगा, योगी निरोगी होगा, भोग से मर्यादा का उल्लंघन होगा। मर्यादा और अनुशासन का पालन करके श्रेष्ठ भारत के अभ्युदय में अपना अमूल्य योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए।

भारत एक प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का देश है। आध्यात्मिकता, कर्म का सिद्धांत और सतत विकास इसकी पहचान रहे हैं। आज जब भारत 'विकसित भारत' की दिशा में तेज़ी से बढ़ रहा है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम उस मूल विचारधारा को फिर से समझें जिसने इस महान राष्ट्र को सदियों तक ऊर्जावान बनाए रखाकृवह है 'कर्मयोग'। कर्मयोग न केवल आत्म–विकास का मार्ग है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भी एक सशक्त आधारशिला है। 'अभ्युदय', अर्थात समष्टिगत कल्याण, तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक अपने–अपने क्षेत्र में कर्मयोग की भावना से कार्य करे। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' श्रीभगवद्गीता का यह श्लोक भारतीय दर्शन की रीढ़ है। इसका आशय यह है कि मनुष्य को केवल अपने कर्तव्य के पालन में ही अधिकार है, न कि उसके फल की चिंता में। यही कर्मयोग है निःस्वार्थ भाव से कार्य करना, जिसमें न केवल व्यक्तिगत उन्नति छिपी है, बल्कि समाज और राष्ट्र की भलाई भी।

भारत का भविष्य कर्मयोग पर आधारित अभ्युदय में निहित है। जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों को निस्वार्थ भाव से निभाएगा, तो एक समृद्ध और विकसित भारत स्वतः ही आकार लेगा। हमें अपने पुरातन मूल्यों से प्रेरणा लेकर आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नीति निर्माण का समन्वय करना होगा।

व्याख्यान से विशिष्ट अतिथि श्री अश्वनी कुमार राय ने केंद्रित विषय पर कहा कि कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत

तीनों विषय अद्भुत है, कर्मयोग के बिना विकसित भारत की संकल्पना पूरा नहीं होगा, गीता का मूल कर्मयोग है, अर्जुन और श्रीकृष्ण का संवाद, धर्म की स्थापना, सार्थक और चहुओर विकास, भौतिक उन्नति होनी चाहिए, कर्मयोग के द्वारा अभ्युदय होता हैं, भारतीय मनीषा में दर्शन का मूल सिद्धांत कर्म योग है जिसे साध कर साधक अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता हैं। 2047 में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आज जो विद्यार्थी यहां ज्ञान अर्जन कर रहे है आने वाले समय में वे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य ग्रहण करेंगे। अहम और स्वार्थ सिद्धि के भाव से निकल कर मातृभूमि की रक्षा का संकल्प हर भारतीय का होना चाहिए।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत विश्व शक्ति बनने की ओर अग्रसर है, तब राष्ट्र के युवाओं से अपेक्षा है कि वे केवल सपने न देखें, बल्कि उन्हें साकार करें। ऐसे समय में कर्मयोग युवाओं के लिए केवल एक आध्यात्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन का व्यावहारिक मार्गदर्शन है। यह उन्हें लक्ष्य, अनुशासन और आत्मबल प्रदान करता है। कठिन परिश्रम, धैर्य, और विश्वास से कार्य की सिद्धि होती है ।

कर्मयोग केवल भगवद्गीता का उपदेश नहीं, बल्कि युवाओं के जीवन की दिशा है। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है, मानसिक रूप से मजबूत करता है और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ता है। जब युवा अपने लक्ष्य की ओर निरंतर, निःस्वार्थ भाव से कर्म करेंगे, तो न केवल उनका जीवन सफल होगा, बल्कि भारत भी उन्नति के शिखर पर पहुँचेगा।

व्याख्यान में संवाद सत्र में विद्यार्थी नीरज पासवान, शिवम पाण्डेय आदि ने जीवन लक्ष्य, स्कॉलर्स योजना और भविष्य में सरकार के द्वारा छात्रों के हित में किए जा रहे विषयों पर मुख्य वक्ता से संवाद किया। व्याख्यान में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के छात्राओं ने राष्ट्रगान और मां शारदे की स्तुति कर आयोजन का शुभारंभ किया जिसमें प्रमुख रूप से स्वीटी सिंह, स्नेहा त्रिपाठी, आदित्य विश्वकर्मा, आशीष चौधरी, नंदनी, स्नेहा, सुनिधि ने स्वर भाव से राष्ट्र वंदन किया। व्याख्यान का संचालन डॉ. अनुकृति राज और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित कुमार दुबे ने किया।

आयोजन में प्रमुख रूप से श्री सुरेशचंद पाल उपनिदेशक समाज कल्याण विभाग, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिनव मिश्रा, श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, श्री चंद्रबलि जी सहित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. धिरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवैधनाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. प्रेरणा अदिती, डॉ. किरन कुमार, डॉ. आशुतोष श्रीवास्वत, श्री धनंजय पाण्डेय, डॉ. रश्मि झाँ, सुश्री सृष्टि यदुवंशी, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री जन्मेजय सोनी, डॉ. रश्मि शाही, श्री अनिल कुमार मिश्रा, सुश्री मिताली पटेल, श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री पुनीत सिंह, विश्वास सहित सभी विभागों के शिक्षकगण एवं सैकड़ो छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

समावर्तन संस्कार

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

समावर्तन संस्कार में प्रस्तुति देती छात्राएं

दिनांकः 04 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा बीएससी और एमएससी सीनियर्स को सांस्कृतिक प्रस्तुति में खट्टे मीठे सुनहरे भविष्य की यादें साझा कर कभी न बिछड़े का वादा किया।

पंचकर्म सभागार में आयोजित विदाई समारोह आयोजन के शुभारंभ में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दुबे और सभी शिक्षकों ने दीप प्रज्वलन कर आयोजन का शुभारंभ किया।

समारोह में छात्र छात्राओं को शुभाशीष देते हुए प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के आध्यात्मिक प्रांगण में अनुशासन की परिधि में विज्ञान के क्षेत्र में स्वर्णिम भविष्य की नई गाथा लिखने के लिए सीनियर्स बैच तैयार हो गया है।

जो अब यहां से निकल कर विविध क्षेत्रों में स्वयं को स्थापित कर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर का नाम रोशन करेंगे।

विद्यार्थियों को कृष्ण और सुदामा की मित्रता का स्मरण करते हुए अपने मित्रों को साथ हमेशा देने का संकल्प लेना चाहिए। जीवन में अपने लक्ष्य के साथ अपनी जड़ों से सदैव जुड़े रहिए। व्यावसायिक और व्यावहारिक रिश्ते में अपने जड़ों को कभी न भूले। आज का फेयरवेल पार्टी केवल विदाई का नहीं, बल्कि आभार सम्मान और भावनाओं की अभिव्यक्ति का है।

विद्यार्थियों को शुभाशीष देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दुबे ने कहा कि स्वास्थ्य विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। यहां से सीखी

हुई बातों को व्यवहार में लाएं और दूसरों को भी जागरूक करें।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और गीतों ने माहौल को जीवंत बना दिया। गणेश वंदना नृत्य, कजरी गीत, शास्त्रीय नृत्य के साथ मिमिक्री, भारतीय परिधान फैशन शो और सामूहिक नृत्य ने सभी को संस्कृति के भाव से बांधे रखा।

आयोजन में प्रमुख रूप से छात्र विष्णु अग्रहरि, देवज्य शुक्ला, ईवा कटिहार, आर्यन, सुनिधि, रचना, सोनाली, अंकिता, रामनरेश प्रजापति, अदिति सिंह, स्वीटी सिंह, नीरज पासवान, आदित्य विश्वकर्मा, आशुतोष सिंह, शिवम सिंह, रुचि शुक्ला, अंजली, प्रशांत गुप्ता, राहुल, अभिषेक, विभव, नवनीत, सिद्धांत, अंशिका सिंह ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रतिभाग किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति का संचालन श्रद्धा उपाध्याय और आंचल पाठक ने किया। आयोजन में सभी सीनियर्स और शिक्षकों ने शिक्षण समय में बीते समय को याद कर सभी को भविष्य की शुभकामनाएं दिया।

आयोजन में प्रमुख रूप से शिक्षक डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, सुश्री सृष्टि यदुवंशी, श्री अनिल कुमार पटेल, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, श्री जनमेजय सोनी, श्री अनिल कुमार मिश्रा, श्री अनिल शर्मा सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

आवेदन प्रक्रिया

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांकः 04 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की प्रवेश समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी सत्र 2025–26 के प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। प्रवेश समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रमुख पाठ्यक्रमों पैरामेडिकल, बॉयोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए (लॉजिस्टिक्स) में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति समाज में जागरूकता और विद्यार्थियों का रुझान स्पष्ट है।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि सत्र 2025–26 से विश्वविद्यालय में बीएससी फॉरेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है, आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 है तथा इसके लिए प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई 2025 को आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा हेतु अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2025 तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ण्उहनहण्बण्पद पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह जी ने आवेदन संख्या पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तम्भ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय के प्रवेश परीक्षा प्राप्त आवेदनों के संख्या पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए भी विश्वविद्यालय का प्रचार–प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि समाज के दूरस्थ एवं वंचित वर्गों तक भी हमारे विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुँच सके और उन्हें भी यह अवसर मिल सके कि वे गुणवत्ता परख शिक्षा ग्रहण करके समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचना चाहिए।

बैठक में डॉ. प्रशांत एस (डीन) अकादमिक), श्री श्रीकांत (डिप्टी रजिस्ट्रार), डॉ. डी.एस. अजीथा (डीन, नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय) श्री रोहित श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य, पैरामेडिकल कॉलेज), डॉ. सुनील कुमार सिंह (डीन, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय), डॉ. विमल कुमार दुबे (डीन, कृषि संकाय) और डॉ. तरुण श्याम (डीन, वाणिज्य संकाय) उपस्थित रहें।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

आपातकालीन ट्रायेज सिस्टम : मॉक ड्रिल

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

मॉक ड्रिल के दौरान छात्राएं

दिनांकः 08 मई, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आज नेशनल स्टूडेंट नर्सेस डे के अवसर पर स्टूडेंट नर्सेस एसोसिएशन (एस.एन.ए) के सदस्यों द्वारा आपातकालीन ट्रायेज सिस्टम से संबंधित एक मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।

इस मॉकड्रिल में सभी छात्र–छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और आपातकालीन परिस्थितियों को किस प्रकार प्रभावी ढंग से संभालना है, इसका अभ्यास किया।

अभ्यास के माध्यम से उन्होंने यह सीखा कि ऐसी स्थितियों में कैसे शांत रहकर त्वरित निर्णय लेना है, घायलों की प्राथमिकता के अनुसार छंटाई (ट्रायेज) कैसे करनी है तथा जीवन रक्षक सहायता कैसे प्रदान करनी है। इस आयोजन ने न केवल छात्रों की व्यवहारिक क्षमता को मजबूत किया, बल्कि उन्हें आपातकालीन प्रबंधन, टीमवर्क, नेतृत्व और त्वरित प्रतिक्रिया जैसी महत्वपूर्ण दक्षताओं से भी परिचित कराया। इसके साथ ही, छात्रों ने यह भी अनुभव किया कि किसी आपदा या आपात स्थिति में समय प्रबंधन, प्रभावी संचार, मानसिक स्थिरता, संसाधनों का समुचित उपयोग और सहयोग की भावना कितनी आवश्यक होती है। उन्होंने आपातकालीन उपकरणों के प्रयोग, रेस्क्यू की मूल विधियों और पीड़ितों को भावनात्मक सहयोग देने जैसे मानवीय पहलुओं का भी अभ्यास किया। यह मॉकड्रिल छात्रों के समग्र व्यावसायिक एवं नैतिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अनुभव सिद्ध हुई।

अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय

अग्निशमन सुरक्षा एवं प्रदर्शन कार्यक्रम के दौरान आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण प्राप्त करती छात्राएं

दिनांकः 09 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में स्थापित महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय मेंआज एक अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण अपराह्न 3:00 बजे अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के समक्ष अग्निशमन अधिकारी श्री शांतनु कुमार यादव एवं उनकी टीम के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण में अस्पताल के सभी संकाय सदस्य, नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षाकर्मी एवं अन्य कर्मचारीगण पूरी निष्ठा और मनोयोग के साथ सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों के उपयोग, आपातकालीन निकासी प्रक्रिया तथा अग्निकांड की स्थिति में किए जाने वाले प्राथमिक उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करना तथा सभी कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जागरूकता को बढ़ाना था। महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा की गई यह पहल न केवल चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह अस्पताल कर्मियों एवं रोगियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है। चिकित्सालय प्रबंधन ने इस सहयोग के लिए गोरखपुर अग्निशमन विभाग का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

राष्ट्रीय नर्स सप्ताह : पोस्टर प्रतियोगिता

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

पोस्टर प्रतियोगिता के दौरान छात्राएं

दिनांकः 09 मई, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में राष्ट्रीय नर्स सप्ताह के उपलक्ष्य में थीम– 'हमारे नर्स, हमारा भविष्यः नर्सों की देखभाल से मजबूत होती है अर्थव्यवस्था' पर आधारित पोस्टर प्रेजेंटेशन और निबंध लेखन जैसी प्रेरणा दायक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इन रचनात्मक कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों को अपनी ज्ञान, रचनात्मकता और इस बात की जागरूकता दिखाने का मंच प्रदान किया कि नर्सें किस प्रकार स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने और आर्थिक विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और संवाद कौशल का विकास हुआ।

छात्रों ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस उत्सव ने उन्हें अपने नर्सिंग पेशे पर गर्व करने और भविष्य में अधिक संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

उन्नति फाउंडेशन द्वारा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

कृषि संकाय

उन्नति फाउंडेशन के द्वारा आयोजित सॉफ्ट ट्रेनिंग के दौरान प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

दिनांकः 10 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में उन्नति फाउंडेशन द्वारा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग के सफलता पूर्वक पूर्ण होने के उपरांत समापन समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे के कुशल निर्देशन और उन्नति फाउंडेशन के मेंटर श्री शिवानंद त्रिपाठी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन खुशी गुप्ता, आंचल चतुर्वेदी, प्रगति सिंह, अमित राय, आलोक गुप्ता ने एवं धन्यवाद ज्ञापन अनिकेत मल्ल द्वारा किया गया।

इस दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. आयुष कुमार पाठक व डॉ. नवनीत सिंह ने वक्तव्य के दौरान बतायां कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल एवं आत्म विश्वास को प्रोत्साहित करना है। प्रतिभागी में मुख्य रूप से आकृति, शिवानी, आस्था, मोतीलाल, विकाश, शीलू, ईशा, शुभम इत्यादि ने संगीत, नृत्य एवं अन्य कलाओं का प्रदर्शन किया।

इसी क्रम में अमित चौधरी, शिखा एवं अन्य छात्रों ने अनुभव साझा किया।

अनिकेत मल्ल ने धन्यवाद ज्ञापन कियाए तथा कृषि संकाय के समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम — फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में छात्राओं को सम्बोधित करती एवं छात्रा को प्रशस्ति पत्र प्रदान करती डॉ. जी.एस. अजीथा

दिनांकः 12 मई, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आज 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के अवसर पर जिसका विषय– 'हमारी नर्से, हमारा भविष्य। नर्सों की देखभाल से अर्थव्यवस्था मजबूत होती है विषयों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डी. एस. अजीथा तथा वाइस प्रिंसिपल श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज के द्वारा दीप प्रज्वलन द्वारा की गई तथा नर्सिंग छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया।

प्रिंसिपल डॉ. डी. एस. अजीथा ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर भाषण दी और कहा कि नर्सों में मां का किरदार होता है, नर्सों को माँ की तरह अपने मरीज का ख्याल रखना चाहिए, नर्सों को किसी चीज़ की लालसा किये बिना अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, यह दिन उन सभी नर्सों को समर्पित है जो दिन–रात बिना थके, पूरी निष्ठा और करुणा के साथ अपनी सेवाएँ देती हैं, नर्सें न केवल एक पेशेवर होती हैं, बल्कि वे हमारे जीवन की कठिन घड़ियों में एक उम्मीद की किरण होती हैं। वे निःस्वार्थ सेवा, धैर्य और मानवीय संवेदनाओं की प्रतीक हैं। हमारे जीवन में, चाहे बीमारी हो या स्वास्थ्य की रक्षा, नर्सें हमेशा आगे रहती हैं।

कोविड जैसी महामारी में हमने देखा कि कैसे नर्सों ने जान की परवाह किए बिना लोगों की सेवा की वे सचमुच असली हीरो हैं। आज हम उन सभी नर्सों को धन्यवाद देते हैंए जो अपने कर्तव्य को पूजा की तरह निभाती हैं।

हम उनके समर्पण, करुणा और सहनशक्ति को सलाम करते हैं। तत्पश्चात पोस्टर प्रस्तुति, निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम आये हुए छात्रो को पुरस्कार वितरण किया गया, जिसमे निबंध प्रतियोगिता में अभिषेक यादव (बीएससी द्वितीय सेमेस्टर) और रूपाली (बीएससी छठवी) सेमेस्टर ने पोस्टर प्रस्तुति में पहला स्थान प्राप्त किया।

इसके बाद छात्रों ने नर्स दिवस के अवसर पर भाषण और अपने. अपने विचार व्यक्त किया तथा वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम — महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय

नर्स दिवस पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित प्राचार्य एवं विद्यार्थी

दिनांकः 12 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आज अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का आयोजन किया गया।

जिसका विषय 'हमारी नर्स हमारा भविष्य नसों की देखभाल में अर्थव्यवस्था मजबूत होती है' इस थीम पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस की प्रधानाचार्य डॉक्टर गिरधर वेदंतम एवं डॉक्टर अवनीश कुमार द्विवेदी के माध्यम से दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

नर्सिंग छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस के प्रधानाचार्य डॉक्टर गिरधर वेदांतम ने अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर भाषण दी और कहा कि नर्सों को स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ माना जाता है, क्योंकि वे रोगियों को उनके सबसे कमजोर क्षणों में देखभाल और आराम प्रदान करती हैं।

हमने कोविड–19 महामारी जैसे संकट के समय में नर्सों की अडिग प्रतिबद्धता और साहस को देखा है।

अस्पताल की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर होती है। नर्सिंग स्टाफ तथा नर्सिंग छात्राओं द्वाराष् अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर भाषण प्रस्तुत किया गया।

वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

वैज्ञानिकी संगोष्ठी एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर — गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करते डॉ. जी. एस. तोमर

दिनांकः 16 मई, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रवेक कल्प के सौजन्य से 'एक राष्ट्र एक स्वास्थ्य तंत्र, वर्तमान समय की आवश्यकता' विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी सम्पन्न हुई जिसमें संस्थान के सभी चिकित्सकों ने प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम् एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी सहित प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर आयुष विश्वविद्यालय के परामर्शदाता डॉ. रमाकांत द्विवेदी एवं डॉ. लक्ष्मी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्‌बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो. (डॉ.) जी. एस. तोमर ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए। उनके इस स्वप्न को साकार करने का बीड़ा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उठाया है।

डॉ. तोमर ने कहा देश में आज आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित अनेक चिकित्सा विधाएँ प्रचलित हैं। प्रत्येक विधा की अपनी–अपनी विशेषताएँ एवं सीमाएँ होती हैं। अतः प्रत्येक विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो। इस उद्देश्य के दृष्टिगत आरोग्य भारती से भी सुझाव माँगे गए। जिसके लिए एक समिति का गठन किया गया। मैं भी उसका एक सदस्य हूँ। उन्होंने कहा कि एलोपैथी जहाँ आकस्मिक चिकित्सा एवं शल्य क्रिया के लिए विकसित विधा है वहीं आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। बच्चों के रोगों में होम्योपैथी का एक महत्वपूर्ण स्थान है।

अतः इन विशेषताओं को ध्यान में रखकर एक ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए जो सर्वसमावेशी एवं सम्पूर्ण हो। इस दृष्टि से आरोग्य भारती ने अपना सुझाव राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय जी के माध्यम से नीति आयोग को भेजा है। उन्होंने आगे बताया कि देश के सभी चिकित्सालयों में प्रत्येक विधा की सुविधा एक ही छत के नीचे किया जाना चाहिए। जिससे केफीटेरिया की तरह रोगी अपनी आवश्यकता के अनुसार विधा के चयन करने के लिए स्वतंत्र हो।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे।

संगोष्ठी के पूर्व डॉ. तोमर ने संस्थान के छात्रों को 'मधुमेह प्रबंधन, एक आयुर्वेदिक दृष्टिकोण' विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय आरोग्यधाम में शताधिक रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया।

इस अवसर पर गुणवत्ता के लिए जाने जानी वाली औषधि निर्माणशाला प्रवेक कल्प की ओर से निःशुल्क बीएमडी जाँच की व्यवस्था भी कराई गई।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा — महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु आयोजित विश्वविद्यालय की संयुक्त प्रवेश परीक्षा में उपस्थित परीक्षार्थी

दिनांकः 16 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में सत्र 2025–26 प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय एवं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ

मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई, दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस परीक्षा में सम्मलित हुए।

आयोजित संयुक्त परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में सम्मलित होने का अवसर दिया गया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से सम्बंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्रए व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधाए निःशुल्क स्वस्थ्य जाँच व आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सीय प्रबंध कर रखा था, जिसे अभिभावकों द्वारा सराहा गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रवेश परीक्षा के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा व अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय के विश्वसनीयता को इंगित करता है।

विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, डी. फार्म व बी. फार्म एलोपैथी) में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई, 2025 व एएनएम, डिप्लोमा लैब तकनीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर तकनीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर तकनीशियन, डायलीसिस तकनीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर तकनीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स और पीएचडी के व विभिन्न विषयों में 25 मई, 2025 को सुनिश्चित है।

छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना

छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक श्री आशीष गुप्ता, अधीक्षक श्री विजय आनंद शाही एवं विद्यार्थी

दिनांकः 22 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं गोरखपुर जिले के 11 थाना क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों द्वारा पूर्ण किए गए छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम के द्वितीय चरण की समीक्षा बैठक आज पुलिस लाइन गोरखपुर स्थित व्हाइट हाउस सभागार में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ) श्री आशीष गुप्ता द्वारा की गई।

बैठक का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात कार्यक्रम के नोडल पुलिस अधीक्षक श्री विजय आनंद शाही ने छात्र पुलिस कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक है। इससे छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व, संवाद कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने इसे शिक्षा और पुलिस प्रशासन के बीच एक सशक्त कड़ी बताते हुए कहा कि इस प्रकार की सहभागिता युवाओं को व्यवहारिक अनुभव देती है और उन्हें बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती है।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवक सोनाली तिवारी ने काव्यांजलि प्रस्तुत की तथा उत्कर्ष सिंह, अमरजीत, हिमांशु, दीनदयाल, आशीष सहित अन्य स्वयंसेवकों ने इस अनुभवात्मक अधिगम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। 11 थाना क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों ने भी कार्यक्रम के माध्यम से समाज में पुलिस की सकारात्मक छवि बनने की बात कही।

मुख्य अतिथि श्री आशीष गुप्ता ने अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को व्यावहारिक शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं और पुरुषों को मिलकर कार्य करना चाहिए, जिससे महिलाएं सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा सकें।

बैठक में राष्ट्रीय सेवा योजना की माता सबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, मुकेश, आदित्य, आशीष दुबेए उज्ज्वल सहित अन्य स्वयंसेवक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

क्षय रोग जागरूकता : अतिथि व्याख्यान

नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज

क्षय रोग जागरूकता विषयक आयोजित व्याख्यन में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. गणेश यादव

दिनांकः 30 मई, 2025 को नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा 'क्षय रोग जागरूकता' पर एक संगोष्ठी का आयोजन पंचकर्म हॉल में किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों और संकाय को क्षय रोग की रोकथाम और प्रबंधन के बारे में जागरूक करना था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर के जिला क्षय रोग अधिकार (डॉ. गणेश यादव) जिला सामान्य स्वास्थ्य क्षय रोग (नियंत्रक श्री अभय नारायण मिश्रा), स्वास्थ्य संचार विशेषज्ञ (श्री वेद प्रकाश पाठक) और कॉलेज की उप–प्राचार्य (श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज) उपस्थित थे। बीएससी नर्सिंग, जीएनएम और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के छात्र एवं सभी शिक्षकगण भी इस अवसर पर उपस्थित रहें।

कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज द्वारा अतिथियों का स्वागत और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई।

डॉ. गणेश यादव ने क्षय रोग से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिया, जिसमें इसकी परिभाषा, कारक जीवाणु, प्रकार (फेफड़ों और बाह्य फेफड़ों का शामिल होना), रोग का फैलाव, इनक्यूबेशन पीरियड, लक्षण जैसे (बुखार, रात को पसीना आना, भूख में कमी, खांसी और वजन घटना) तथा निदान की आधुनिक विधि शामिल थे।

उन्होंने भारत में 2025 तक क्षय रोग के मामलों को शून्य तक लाने के प्रधानमंत्री के विजन की ओर ध्यान आकर्षित किया और बताया कि इसके लिए जनजागरूकता, समय पर उपचार और भेदभाव को समाप्त करना आवश्यक है।

उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी देश की स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर जैसे प्रमुख सूचकों से किया जाता है।

उन्होंने शिक्षा, परिवार नियोजन, टीकाकरण, प्रसवपूर्व देखभाल, और संस्थागत प्रसव के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, सरकार द्वारा क्षय रोगियों को दी जाने वाली सहायता योजनाओं और लाभों की जानकारी भी दी। संगोष्ठी ज्ञानवर्धक रही और सभी प्रतिभागियों को क्षय रोग के प्रति जागरूकता फैलाने और इसके उन्मूलन में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया और कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम के साथ हुआ।

विशेष व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

विशेष व्याख्यान में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. जी. आर. आर. चक्रवर्ती

दिनांकः 30 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान का विषय था 'सफलता के लिए श्लोक: प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक मार्गदर्शिका'।

छात्र सहायता, कैरियर

मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल द्वारा संचालित कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि को स्मृति पुस्तिका भेंट कर किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. जी. आर. आर. चक्रवर्ती, आचार्य, संहिता एवं सिद्धान्त विभाग, श्री जयेन्द्र सरस्वती आयुर्वेद महाविद्यालय, चेन्नई, ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

उन्होंने अपने व्याख्यान में आयुर्वेद के गहन तात्त्विक ज्ञान को समझने एवं चिकित्सा में उपयोगी संस्कृत श्लांको की महत्वता विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आयुर्वेद में वर्णित संस्कृत श्लोकों को कैसे सरल एवं सहज रूप से समझा जा सकता है, ताकि विद्यार्थी श्लोकों को याद रख सके एवं रोगी की चिकित्सा को सफल रूप में उपयोग कर सके द्य वात के रुक्ष गुण शरीर के भीतर प्राणवायु के संचार और स्वसन प्रणाली के संचालन में सहायक होते हैं।

प्रो. चक्रवर्ती ने कहा कि आयुर्वेद के सिद्धांत केवल अनुभव पर आधारित नहीं हैं, बल्कि वे तर्क, दर्शन और प्रमाण पर आधारित हैं और इन्हें आधुनिक वैज्ञानिक कसौटियों पर भी सिद्ध किया जा सकता है। साथ ही बताया कि अनेकों क्रियाओं को उनके द्रुपयोग को रोकने के लिए वर्णित नहीं किया गया है।

उन्होंने व्याख्यान के दौरान चरक संहिता में वर्णित शारीर स्थान का आयुर्वेद चिकित्सा में उपयोगिता को बताया, ये कहा कि आयुर्वेदिक उपचार की बुनियाद है।

उन्होंने छात्रों को यह भी प्रेरणा दी कि वे केवल आयुर्वेद शास्त्रों में वर्णित श्लोकों को न केवल पठन करें, बल्कि उनके भावार्थ को समझते हुए, उन्हें आधुनिक संदर्भों में जोड़कर गहराई से समझें। संस्कृत के मूल श्लोकों को समझ कर ही आयुर्वेद के सिद्धांतों की भी बहुआयामी व्याख्या की जा सकती है।

विशेष रूप से उन्होंने यह उल्लेख किया कि कई प्रकार के रोगों एवं विकारों की विवेचना, आयुर्वेद संहिताओं में वर्णित मूल सिद्धांतों, ऋचाओं आदि मूल को समझ कर ही चिकित्सा व्यवहार में लाया जा सकता है।

कार्यक्रम में संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. गिरधर वेदांतम, एवं अन्य शिक्षकगण प्रो. गोपीकृष्ण आचार्य, प्रो. श्रीधर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. सार्वभौमा एवं बीएएमएस तृतीय वर्ष के समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन छात्रा कु. खुशी वर्मा ने की एवं कार्यक्रम की शुरुआत वैद्य विनम्र शर्मा के द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए श्लोक की महत्वता विषय की उपयोगिता के साथ की गयी एवं अंत में प्रो.गोपीकृष्ण आचार्य के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस : जागरूकता कार्यक्रम

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल

बैजनाथपुर, गोरखपुर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में नर्सिंग की प्राध्यापिकाएं एवं छात्राएं

दिनांक: 31 मई, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम और जीएनएम प्रथम वर्ष की 40 छात्राओं ने अपने शिक्षक–शिक्षिकाओं प्रो. (डॉ.) अनुराग श्रीवास्तव, मिस निधि राय, मिस प्रज्ञा मिश्रा एवं मिस अनु पटेल के मार्गदर्शन में बैजनाथपुर, गोरखपुर में स्थित सामुदायिक क्षेत्र में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर कठपुतली शो व पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, स्तन स्व–परीक्षण, घरेलू हिंसा की पहचान व रोकथाम, व्यक्तिगत स्वच्छता, हाथ धोने की आदत और प्रसवोत्तर देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल भाषा में जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इसमें तंबाकू से होने वाली बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग के बारे में बताया गया और लोगों को इससे दूर रहने की प्रेरणा दी गई। मासिक धर्म स्वच्छता के तहत छात्राओं ने किशोरियों को स्वच्छ पैड के उपयोग, समय पर बदलाव की सफाई के बारे में जागरूक किया। स्तन स्व–परीक्षण की जानकारी देते हुए महिलाओं को स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान हेतु हर माह स्वयं जांच करने के तरीके समझाए गए। व्यक्तिगत स्वच्छता और हाथ धोने की आदत को बीमारियों से बचाव का सरल उपाय बताया गया। साथ ही, घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज़ उठाने और हेल्पलाइन नंबर (1091) जैसी सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। प्रसवोत्तर देखभाल के अंतर्गत माताओं को पोषण, आराम, टीकाकरण और स्तनपान के महत्व के बारे में बताया गया।

स्वस्थ जीवनशैली, सही जानकारी और समय पर देखभाल न केवल बीमारियों से बचाती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को एक सकारात्मक दिशा देती है। हमें जागरूक बनकर दूसरों को भी

स्वर्णप्राशन संस्कार

गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

स्वर्णप्राशन संस्कार कार्यक्रम में बच्चों को आयुर्वेदिक टीकाकरण किया गया

दिनांकः 31 मई, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के आयुर्वेद विभाग में आज पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर स्वर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का भव्य आयोजन किया गया।

इस विशेष कार्यक्रम का लाभ शहर ही नहीं, दूरदराज़ से आए 16 वर्ष से कम आयु के सैकड़ों बच्चों ने लिया।

स्वर्णप्राशन एक प्राचीन आयुर्वेदिक विधि है, जो बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बार–बार होने वाले सर्दी, खांसी व अन्य संक्रमणों से बचाने, बुद्धि, पाचन व शारीरिक बल को सुदृढ़ करने के लिए पुष्य नक्षत्र में दी जाती है।

यह आयुर्वेदिक टीकाकरण विधि बच्चों के समग्र विकास हेतु अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. गिरिधर वेदांतम, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु व बाल रोग विभाग (आयुर्वेद) के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में डॉ. श्री लक्ष्मी व डॉ. दीक्षा ने किया।

संस्थान द्वारा यह सेवा प्रत्येक पुष्य नक्षत्र को निःशुल्क रूप से उपलब्ध कराई जाती है।

स्वर्णप्राशन संस्कार आयुर्वेद विज्ञान का एक अभूतपूर्व योगदान है, जो आज की पीढ़ी को स्वस्थ और सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस : आयोजन

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल संकाय

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति के माध्यम से जागरूक करते विद्यार्थी

दिनांकः 31 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के महंत अवेद्यनाथ इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस जो की प्रत्येक वर्ष 31 मई को मनाया जाता हैं इस अवसर पर महंत अवेद्यनाथ इकाई के स्वयंसेवको ने महायोगी गोरक्षनाथ हॉस्पिटल में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तम्बाकू के सेवन से किसी भी व्यक्ति के शारीरीक एवं मानसिक स्तर पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसके बारे मे बताया।

ये भी बताया की एक व्यक्ति के तंबाकू सेवन से केवल उसको ही नही बल्कि परिवार और समाज पर उसका बुरा प्रभाव पड़ता हैं।

इस कार्यक्रम में हॉस्पिटल मे उपस्थित मरीजो के परिजन सम्मिलित थे, जिन्होंने समझा कि हकीकत में तंबाकू का सेवन किसी भी व्यक्ति के लिए कितना हानिकारक हो सकता हैं।

यह कार्यक्रम फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के डीन (डॉ.) डीएस अजीथा और प्राचार्य डॉ. रोहित् कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन मे कराया गया। यह कार्यक्रम महंत अवेद्यनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी (धीरज कुमार) के नेतृत्व में निम्नलिखित स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न कराया गया।

विजय कुमार, रितु, धनन्जय विश्वकर्मा, मुकेश, मनीष, नैना विस्वकमा, मुस्कान सिंह, निधि, दिव्याजलि, निशा, दिव्या, राजलक्ष्मी, कल्पना।

सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग : समापन

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग के समापन अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. रोहित श्रीवास्तव एवं उपस्थित प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

दिनांकः 31 मई, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत संचालित फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के ईमरजेंसी एवं एनेस्थीसिया विभाग में उन्नति फाउंडेशन द्वारा आयोजित सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन और उन्नति फाउंडेशन के मेंटर श्री शिवानन्द त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का संचालन पल्लवी तिवारी, अंकिता त्रिपाठी, साधना, अनुराधा, सुमित, आफताब, सृष्टि, संदीप और सूर्यांश ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन आदित्य एवं ऋषभ द्वारा दिया गया।

इस अवसर पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के शिक्षकों ने अपने वक्तव्य में बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाना था।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों में मुख्य रूप से प्रतिभागी आयुषी, निधी, आकांक्षा, अंकिता, ऋषभ, अनुराग, किशन, आदित्य रेखा, प्रियंका, आंचल, सीमा, कनक, अनुपमा, शिवानी, अभिषेक, पूनम, उदय, आर्यन, सागर, आकाश, अभिषेक, सुशील और शिखा छात्रों ने संगीत, नृत्य और विभिन्न कलाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया। इसी क्रम में पल्लवी तिवारी, दिव्या पासवान,
सृष्टि, रिंकी, नेहा और अन्य छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए जो प्रेरणादायक रहें।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल विभाग के शिक्षक संदीप शर्मा, कुंवर अभिनव सिंह राठौर, विशालदीप, संजीव विश्वकर्मा, जय शंकर पाण्डेय, धीरज कुमार, आकांक्षा दीक्षित, अंकिता दीक्षित, आकाश वर्मा, अर्पणा प्रजापति, माधुरी चौरसिया, खुशी चौधरी, आदर्श मिश्रा, ज्योति गुप्ता, सुप्रिया गुप्ता, शुभम कुमार मौर्या, अनूप कुमार मिश्रा, आयुषी राज उपस्थित रहें।

समापन समारोह में पैरामेडिकल विभाग के समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

समाचार दर्पण

श्वसन रोगियों के उपचार के लिए हुई बड़ी पहल

»महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला श्वसन रोगों के निदान के लिए एक उन्नत सुविधा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्लीप डिसऑर्डर के लिए समर्पित गोरखपुर की पहली प्रयोगशाला है।

कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि चिकित्सालय की यह पहल न केवल क्षेत्र में विशेष चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी, बल्कि विभिन्न कोर्सों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं शिक्षा का माध्यम भी बनेगी। इस अवसर पर उन्होंने आने वाले समय में सीटी स्कैन, एमआरआई और कैथ लैब की स्थापना की घोषणा भी की। इस अवसर महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सा निदेशक डॉ. राजीव पाटनी ने सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए चिकित्सालय की सेवा भाव एवं उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नींद संबंधी विकार एक मूक महामारी हैं, जो शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव डालते हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ गोयल ने फेफड़ों के रोगों के प्रबंधन में डायग्नोस्टिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से बताया। शरीर क्रिया विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ. बीनू प्रजापति ने स्पाइरोमेट्री और स्लीप लैब जांच की कार्यप्रणाली को स्पष्ट किया। इस अवसर पर श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम सहित कई संकायों के डीन, शिक्षक और चिकित्सालय के डॉक्टर व स्टाफ मौजूद रहे।

श्वसन रोगियों के उपचार को हुई बड़ी पहल

■ महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला श्वसन रोगों के निदान के लिए एक उन्नत सुविधा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्लीप डिसऑर्डर के लिए समर्पित गोरखपुर की पहली प्रयोगशाला है।

कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि चिकित्सालय की यह पहल न केवल क्षेत्र में विशेष में चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी, बल्कि विभिन्न कोर्सों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं शिक्षा का माध्यम भी बनेगी। इस अवसर पर उन्होंने आने वाले समय में सीटी स्कैन, एमआरआई और कैथ लैब की स्थापना की घोषणा भी की। महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सा निदेशक डॉ.राजीव पाटनी ने सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए चिकित्सालय की सेवा भाव एवं उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नींद संबंधी विकार एक मूक महामारी हैं, जो शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ गोयल ने फेफड़ों के रोगों के प्रबंधन में डायग्नोस्टिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से बताया। शरीर क्रिया विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ. बीनू प्रजापति ने स्पाइरोमेट्री और स्लीप लैब जांच की कार्यप्रणाली को स्पष्ट किया। इस अवसर पर श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम सहित कई संकायों के डीन, शिक्षक और चिकित्सालय के डॉक्टर व स्टाफ मौजूद रहे।

महायोगी गोरक्षनाथ अस्पताल में स्लीप एप्निया लैब शुरू

गोरखपुर। महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में अब स्लीप एप्निया का इलाज मिलेगा। गोरखनाथ अस्पताल में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया प्रयोगशाला का उद्घाटन शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला श्वसन रोगों का निदान प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्लीप डिसऑर्डर के लिए समर्पित यह पहली प्रयोगशाला है।

कुलपति डॉ. सिंह ने आने वाले समय में सीटी स्कैन, एमआरआई और कैथ लैब की स्थापना की घोषणा भी की। महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सा निदेशक डॉ. राजीव पाटनी ने चिकित्सालय की सेवा भाव एवं उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ गोयल ने फेफड़ों के रोगों के प्रबंधन में डायग्नोस्टिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से बताया। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम आदि शामिल रहे।

श्वसन रोगियों के उपचार के लिए हुई बड़ी पहल

महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन

गोरखपुर, २ मई। महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय में पल्मोनरी फंक्शन एवं ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया प्रयोगशाला का उद्घाटन शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला श्वसन रोगों के निदान के लिए एक उन्नत सुविधा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्लीप डिसऑर्डर के लिए समर्पित गोरखपुर की पहली प्रयोगशाला है। कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि चिकित्सालय की यह पहल न केवल क्षेत्र में विशेष चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी, बल्कि विभिन्न कोर्सों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं शिक्षा का माध्यम भी बनेगी। इस अवसर पर उन्होंने आने वाले समय में सीटी स्कैन, एमआरआई और कैथ लैब की स्थापना की घोषणा भी की। इस अवसर महायोगी गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सा निदेशक डॉ. राजीव पाटनी ने सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए चिकित्सालय की सेवा भाव एवं उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नींद संबंधी विकार एक मूक महामारी हैं, जो शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव डालते हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ गोयल ने फेफड़ों के रोगों के प्रबंधन में डायग्नोस्टिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से बताया। शरीर क्रिया विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ. बीनू प्रजापति ने स्पाइरोमेट्री और स्लीप लैब जांच की कार्यप्रणाली को स्पष्ट किया। इस अवसर पर श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम सहित कई संकायों के डीन, शिक्षक और चिकित्सालय के डॉक्टर व स्टाफ मौजूद रहे।

कर्मयोग की मूल विचारधारा को समझना जरूरी

- एमजीयूजी में 'कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत' विषय पर व्याख्यान का आयोजन
- कर्मयोग आत्म विकास का मार्ग होने के साथ राष्ट्र निर्माण की आधारशिला: एल वेंकटेश्वर लू

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से 'कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

बतौर मुख्य वक्ता समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव एल वेंकटेश्वरलू ने कहा कि भारत एक प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का देश है। आध्यात्मिकता, कर्म का सिद्धांत और सतत विकास इसकी पहचान रहे हैं। आज जब भारत 'विकसित भारत' की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम उस मूल विचारधारा को फिर से समझें जिसने इस महान राष्ट्र को सदियों तक ऊर्जावान बनाए रख वह है 'कर्मयोग'।

प्रमुख सचिव समाज कल्याण ने कहा कि भारत का भविष्य कर्मयोग पर आधारित अभ्युदय में निहित है। जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों को निस्वार्थ भाव से निभाएगा तो एक

एमजीयूजी में व्याख्यान देते समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव एल वेंकटेश्वर लू

समृद्ध और विकसित भारत स्वतः ही आकार लेगा। हमें अपने पुरातन मूल्यों से प्रेरणा लेकर आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नीति निर्माण का समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों और समाज के हर वर्ग को शिक्षा का अधिकार देने के संकल्प से अभ्युदय योजना को साकार किया है।

व्याख्यान के विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी कुमार राय ने कहा कि कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत तीनों विषय अद्भुत है। कर्मयोग के बिना विकसित भारत की संकल्पना पूरी नहीं होगी। संचालन डा. अनुकृति राज और धन्यवाद ज्ञापन डा. अमित कुमार दुबे ने किया।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, उपनिदेशक समाज कल्याण विभाग सुरेश चंद पाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिनव मिश्रा, समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, चंद्रबलि, डा. धीरेंद्र कुमार सिंह, डा. पवन कुमार कनौजिया, डा. अवेद्यनाथ सिंह सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखपुर मेल (गोरखपुर) गोरखपुर/आस पास — रविवार, 04 मई 2025 — 3

विकसित भारत के लिए कर्मयोग की मूल विचारधारा को समझना जरूरी: वेंकटेश्वरलू

- एमजीयूजी में कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत विषय पर व्याख्यान का हुआ आयोजन
- भारत का भविष्य कर्मयोग पर आधारित अभ्युदय में निहित है : प्रमुख सचिव
- कर्मयोग से होता है अभ्युदय : अश्वनी राय
- कर्मयोग आत्म विकास का मार्ग होने के साथ राष्ट्र निर्माण की आधारशिला

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव समाज एल. वेंकटेश्वरलू ने कहा कि भारत एक प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का देश है। आध्यात्मिकता, कर्म का सिद्धांत और सतत विकास इसकी पहचान रहे हैं। आज जब भारत विकसित भारत की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम उस मूल विचारधारा को फिर से समझें जिसने इस महान राष्ट्र को सदियों तक ऊजार्वान बनाए रख वह है कर्मयोग। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए वेंकटेश्वरलू ने कहा कि कर्मयोग न केवल आत्म-विकास का मार्ग है बल्कि राष्ट्र निर्माण की भी एक सशक्त आधारशिला भी है। इसी क्रम में अभ्युदय अर्थात समष्टिगत कल्याण तभी संभव है जब हर नागरिक अपने-अपने क्षेत्र में कर्मयोग की भावना से कार्य करे। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, भगवद्गीता का यह श्लोक भारतीय दर्शन की रीढ़ है। इसका आशय यह है कि मनुष्य को केवल अपने कर्तव्य के पालन में ही अधिकार है, न कि उसके फल की चिंता में। यही कर्मयोग है, निस्वार्थ भाव से कार्य करना, जिसमें न केवल व्यक्तिगत उन्नति छिपी है, बल्कि समाज और राष्ट्र की भलाई भी निहित है। व्याख्यान को सारगर्भित करते हुए प्रमुख सचिव समाज कल्याण ने कहा कि भारत का भविष्य कर्मयोग पर आधारित अभ्युदय में निहित है। जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों को निस्वार्थ भाव से निभाएगा तो एक समृद्ध और विकसित भारत स्वतः ही आकार लेगा। हमें अपने पुरातन मूल्यों से प्रेरणा लेकर आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नीति निर्माण का समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के अभ्युदय में युवाओं की महती भूमिका है। स्वस्थ मन, अनुशासन और लक्ष्य से विकसित भारत के अभ्युदय की सिद्धि होगी जिसमें हम सभी को अपने जीवन लक्ष्य से विकसित भारत के दिव्य अभ्युदय में आहुति देने का संकल्प लेना होगा।

आज समय का प्रबंधन आवश्यक

विद्यार्थियों को टिप्स देते हुए श्री वेंकटेश्वरलू ने कहा कि आज समय का प्रबंधन आवश्यक है, बातों से नहीं व्यवस्था में अनुशासन होना चाहिए। कहा कि कामना से व्यक्ति विचलित होता हैं जबकि धर्म को धारण करने पर आनन्द की प्राप्ति होती है। धर्म से विमुख होकर मानव पथभ्रष्ट हो जाता है। भारत की वैदिक संस्कृति और चिकित्सा पद्धति में ऋषि-मुनियों और हमारे पूर्वजों ने ज्ञान को आत्मसात कर विश्वगुरु होने का सौभाग्य ग्रहण किया है। कर्मयोग की प्रधानता पर विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को वर्तमान सोशल मीडिया और समाज की चकाचौंध से बचते हुए शिक्षा को जीवन का लक्ष्य बनाकर ज्ञानार्जन करना चाहिए। इससे जीवन के भटकाव दूर होकर सभी क्षेत्रों में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। कहा कि जो भोगी होगा वह रोगी होगा। जो योगी होगा तो वहनिरोगी होगा।

सीएम योगी ने साकार किया अभ्युदय का संकल्प

प्रमुख सचिव समाज कल्याण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों और समाज के हर वर्ग को शिक्षा का अधिकार देने के संकल्प से अभ्युदय योजना को साकार किया है। इससे विद्या का अमृत ज्ञान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को अभ्युदय योजना से लाभान्वित होकर विद्या की रोशनी को ग्रहण करने का अवसर मिला है। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

कर्मयोग से होता है अभ्युदय : अश्वनी राय

व्याख्यान के विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी कुमार राय ने कहा कि कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत तीनों विषय अद्भुत हैं। कर्मयोग के बिना विकसित भारत की संकल्पना पूरी नहीं होगी। कर्मयोग के द्वारा अभ्युदय होता है। भारतीय मनीषा में दर्शन का मूल सिद्धांत कर्मयोग है जिसे साधकर साधक अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता हैं। उन्होंने कहा कि 2047 में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी । आज जो विद्यार्थी यहां ज्ञान अर्जन कर रहे है आने वाले समय में वे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य ग्रहण करेंगे। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि भारत विश्व शक्ति बनने की ओर अग्रसर है, तब राष्ट्र के युवाओं से अपेक्षा है कि वे केवल सपने न देखें, बल्कि उन्हें साकार करें। ऐसे समय में कर्मयोग युवाओं के लिए केवल एक आध्यात्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन का व्यावहारिक मार्गदर्शन है। संचालन डॉ. अनुकृति राज और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित कुमार दुबे ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उपनिदेशक समाज कल्याण विभाग सुरेशचंद पाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ अभिनव मिश्रा, समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, चंद्रबलि, डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ.अंकिता मिश्रा, डॉ.कीर्ति कुमार यादव, डॉ. प्रेरणा अदिती, डॉ. किरन कुमार ए., डॉ.आशुतोष श्रीवास्वत, धनंजय पाण्डेय, सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

समाचार दर्पण

कर्मयोग की मूल विचारधारा को समझना जरूरी : वेंकटेश्वरलू

गोरखपुर(एसएनबी)। भारत एक प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का देश है। आध्यात्मिकता, कर्म का सिद्धांत और सतत विकास इसकी पहचान रहे हैं। आज जब भारत विकसित भारत की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम उस मूल विचारधारा को फिर से समझें। जिसने इस महान राष्ट्र को सदियों तक ऊर्जावान बनाए रखा वह है 'कर्मयोग'।

उक्त उद्‌गार एल. वेंकटेश्वरलू प्रमुख सचिव समाज कल्याण विभाग ने व्यक्त किया। वे शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से 'कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत' विषयक व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे।

श्री वेंकटेश्वरलू ने कहा कि कर्मयोग न केवल आत्म-विकास का मार्ग है बल्कि राष्ट्र निर्माण की भी एक सशक्त आधारशिला भी है। इसी क्रम में अभ्युदय अर्थात समष्टिगत कल्याण तभी संभव है जब हर नागरिक अपने-अपने क्षेत्र में कर्मयोग की भावना से कार्य करे। उन्होंने कहा कि 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन', भगवद्‌गीता का यह श्लोक भारतीय दर्शन की रीढ़ है।

आज समय का प्रबंधन आवश्यक : विद्यार्थियों को टिप्स देते हुए श्री वेंकटेश्वरलू ने कहा कि आज समय का प्रबंधन आवश्यक है, बातों से नहीं व्यवस्था में अनुशासन होना चाहिए। विद्यार्थियों को वर्तमान सोशल मीडिया और समाज की चकाचौंध से बचते हुए शिक्षा को जीवन का लक्ष्य बनाकर ज्ञानार्जन करना चाहिए।

- एमजीयूजी में कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत' पर व्याख्यान
- कर्मयोग आत्म विकास का मार्ग होने के साथ राष्ट्र निर्माण की आधारशिला
- विद्यार्थियों को जिज्ञासाओं का मिला समाधान

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों और समाज के हर वर्ग को शिक्षा का अधिकार देने के संकल्प से अभ्युदय योजना को साकार किया है। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

कर्मयोग से होता है अभ्युदय : अश्वनी राय : व्याख्यान के विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी कुमार राय ने कहा कि कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत तीनों विषय अद्‌भुत है। कर्मयोग के बिना विकसित भारत की संकल्पना पूरी नहीं होगी। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्र के युवाओं से अपेक्षा है कि वे केवल सपने न देखें, बल्कि उन्हें साकार करें। संचालन डॉ. अनुकृति राज और धन्यवाद ज्ञापन डा. अमित कुमार दुबे ने किया।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपनिदेशक समाज कल्याण विभाग सुरेशचंद पाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अभिनव मिश्रा, समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, चंद्रबलि, डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह, डा. पवन कुमार कनौजिया, डा.अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ.अंकिता मिश्रा सहित सभी विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एमजीयूजी में प्रवेश आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ी

काम की खबर

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) ने सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन पत्र जमा करने की आखिरी तारीख 15 मई तक बढ़ा दी है। आवेदक अब 15 मई तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट (https://www.mgug.ac.in) पर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया है। अधिक जानकारी के लिए छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जा सकते हैं। ब्यूरो

एमजीयूजी में प्रवेश आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) ने सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख 15 मई तक बढ़ा दी है।

आवेदक अब 15 मई तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट (ण्ह्यद्यद्धः//ध्ध्ध्.श्वद्दद्ध.ठ्ठ.त्द) पर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया है। अधिक जानकारी के लिए छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जा सकते हैं या फोन नम्बर 9559991801 पर संपर्क कर सकते हैं।

विकसित भारत के लिए कर्मयोग के मूल विचार को समझना जरूरी

गोरखनाथ विवि

- कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत विषय पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से कर्मयोग, अभ्युदय एवं विकसित भारत विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वरलू मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भारत एक प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का देश है। आध्यात्मिकता, कर्म का सिद्धांत और सतत विकास इसकी पहचान रहे हैं। आज जब विकसित भारत की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम उस मूल विचारधारा को फिर से समझें।

वेंकटेश्वरलू ने कहा कि कर्मयोग न केवल आत्म-विकास का मार्ग है। राष्ट्र निर्माण की भी एक सशक्त आधारशिला भी है। इसी क्रम में अभ्युदय अर्थात समष्टिगत कल्याण तभी संभव है जब हर नागरिक अपने-अपने क्षेत्र में कर्मयोग की भावना से कार्य करें। प्रमुख सचिव समाज कल्याण ने कहा कि भारत का भविष्य कर्मयोग पर आधारित अभ्युदय में निहित है। जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों को निस्वार्थ भाव से निभाएगा तो एक समृद्ध और विकसित भारत स्वतः ही आकार लेगा। हमें अपने पुरातन मूल्यों से प्रेरणा लेकर आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नीति निर्माण का समन्वय करना होगा। कहा कि विकसित भारत के अभ्युदय में युवाओं की महती भूमिका है।

एमजीयूजी में बीएससी फॉरेंसिक साइंस कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

प्रवेश समिति की बैठक में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अब तक प्राप्त आवेदनों की हुई समीक्षा

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की प्रवेश समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। प्रवेश समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि इस सत्र से विश्वविद्यालय में बीएससी फॉरेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को आयोजित की जाएगी। प्रवेश समिति की बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय के प्रमुख पाठ्यक्रमों-पैरामेडिकल, बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए (लॉजिस्टिक्स) में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति समाज में जागरूकता और विद्यार्थियों का रुझान स्पष्ट है। समिति के संयोजक ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा हेतु अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2025 तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www. mgug.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने आवेदन संख्या पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तम्भ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

एमजीयूजी में बीएससी फॉरेंसिक साइंस कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, अंतिम तिथि 15 जुलाई

अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2025

हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए : कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की प्रवेश समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। प्रवेश समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि इस सत्र से विश्वविद्यालय में बीएससी फॉरेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को आयोजित की जाएगी। प्रवेश समिति की बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय के प्रमुख पाठ्यक्रमों-पैरामेडिकल, बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए (लॉजिस्टिक्स) में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति समाज में जागरूकता और विद्यार्थियों का रुझान स्पष्ट है। समिति के संयोजक ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा हेतु अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2025 तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी

विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www. mgug.com पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने आवेदन संख्या पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तम्भ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए भी विश्वविद्यालय का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि समाज के दूरस्थ एवं वंचित वर्गों तक भी हमारे विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुंच सके और उन्हें भी यह अवसर मिल सके कि वे गुणवत्ता परख शिक्षा ग्रहण करके समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें। बैठक में डॉ. प्रशांत एस (डीन, अकादमिक), श्रीकांत (डिप्टी रजिस्ट्रार), डॉ. डीएस अजीता (डीन, नर्सिंग संकाय), रोहित श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य, पैरामेडिकल कॉलेज), डॉ. सुनील कुमार सिंह (डीन, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय), डॉ. विमल कुमार दुबे (डीन, कृषि संकाय) और डॉ. तरुण श्याम (डीन, वाणिज्य संकाय) उपस्थित रहें।

एमजीयूजी में बीएससी फॉरेंसिक साइंस कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) की प्रवेश समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। इस सत्र से विवि में बीएससी फॉरेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इसके अलावा अन्य पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गयी है।

- प्रवेश समिति की बैठक में विभिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा
- विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 15 तक बढ़ायी गयी

प्रवेश समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बैठक में यह जानकारी देते हुए बताया कि विवि के प्रमुख पाठ्यक्रमों-पैरामेडिकल,बायोकैमिस्ट्री, माइक्रो बायोलॉजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए (लॉजिस्टिक्स) में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। समिति के संयोजक ने बताया कि विवि प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा के लिए अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने आवेदन संख्या पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विवि में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे विवि को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तम्भ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए भी विवि का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि समाज के दूरस्थ एवं वंचित वर्गों तक भी विवि में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुंच सके और उन्हें भी यह अवसर मिल सके कि वे गुणवत्ता परख शिक्षा ग्रहण करके समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें। बैठक में डा.प्रशांत एस,श्रीकांत, डा.डीएस अजीता, रोहित श्रीवास्तव, डॉ.सुनील कुमार सिंह ,डॉ.विमल कुमार दुबे और डॉ. तरुण श्याम उपस्थित रहें।

एमजीयूजी में बीएससी फॉरेंसिक साइंस कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

प्रवेश समिति की बैठक में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अब तक प्राप्त आवेदनों की हुई समीक्षा

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी की प्रवेश समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025.26 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। प्रवेश समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि इस सत्र से विश्वविद्यालय में बीएससी फॉरेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

प्रवेश समिति की बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय के प्रमुख पाठ्यक्रमों-पैरामेडिकल, बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए लॉजिस्टिक्स में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति समाज में जागरूकता और विद्यार्थियों का रुझान स्पष्ट है। समिति के संयोजक ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा हेतु अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2025 तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस अवसर पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने आवेदन संख्या पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तम्भ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए भी विश्वविद्यालय का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि समाज के दूरस्थ एवं वंचित वर्गों तक भी हमारे विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुंच सके और उन्हें भी यह अवसर मिल सके कि वे गुणवत्ता परख शिक्षा ग्रहण करके समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

बैठक में डॉ. प्रशांत एस डीन, अकादमिक, श्रीकांत डिप्टी रजिस्ट्रार, डॉ डीएस अजीता डीन नर्सिंग संकाय, रोहित श्रीवास्तव प्रधानाचार्य, पैरामेडिकल कॉलेज, डॉ. सुनील कुमार सिंह डीन, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ विमल कुमार दुबे डीन, कृषि संकाय और डॉ. तरुण श्याम डीन, वाणिज्य संकाय, उपस्थित रहें।

समाचार दर्पण

मगोवि में बीएससी फारेंसिक साइंस में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

- प्रवेश समिति की बैठक में प्राप्त आवेदनों की हुई समीक्षा
- प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को कराने का लिया गया निर्णय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की मंगलवार को आयोजित प्रवेश समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। बैठक में इस सत्र से विश्वविद्यालय में बीएससी फारेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना पर भी मोहर लगी। 15 जुलाई को आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि भी निर्धारित हुई। प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

प्रवेश समिति के समन्वयक डा. शशिकांत सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रमुख पाठ्यक्रमों- पैरामेडिकल, बायो कैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलाजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए (लाजिस्टिक्स) में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों का रुझान स्पष्ट है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा के लिए अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.mgug.ac.in पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तंभ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि समाज के दूरस्थ एवं वंचित वर्गों तक भी विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुंचनी चाहिए। उन्हें भी यह अवसर मिल सके कि वे गुणवत्ता परख शिक्षा ग्रहण करके समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें। बैठक में डीन अकादमिक प्रशांत एस, डिप्टी रजिस्ट्रार श्रीकांत, डीन नर्सिंग संकाय डा. डीएस अजीथा, पैरा मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य रोहित श्रीवास्तव, डीन स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डा. सुनील कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

डीवीएनपीजी में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू: दिग्विजयनाथ पीजी कालेज में शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक प्रवेशार्थी महाविद्यालय की वेबसाइट (dnpgcollege.edu.in) पर जाकर, अपना प्रवेश आवेदन-पत्र दिनांक सात मई से आनलाइन भर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 31 मई है। प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रवेश संबंधी सभी सूचनाएं महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए कालेज से संपर्क किया जा सकता है।

एमजीयूजी में बीएससी फॉरेंसिक साइंस कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

- प्रवेश समिति की बैठक में विभिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा
- विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 15 तक बढ़ायी गयी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) की प्रवेश समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। इस सत्र से विवि में बीएससी फॉरेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इसके अलावा अन्य पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गयी है।

प्रवेश समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बैठक में यह जानकारी देते हुए बताया कि विवि के प्रमुख पाठ्यक्रमों-पैरामेडिकल,बायोकैमिस्ट्री, माइक्रो बायोलॉजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए (लॉजिस्टिक्स) में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। समिति के संयोजक ने बताया कि विवि प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा के लिए अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने आवेदन संख्या पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विवि में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे विवि को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तम्भ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए भी विवि का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि समाज के दूरस्थ एवं वंचित वर्गो तक भी विवि में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुंच सके और उन्हें भी यह अवसर मिल सके कि वे गुणवत्ता परख शिक्षा ग्रहण करके समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें। बैठक में डा.प्रशांत एस,श्रीकांत, डा.डीएस अजीता, रोहित श्रीवास्तव, डॉ.सुनील कुमार सिंह ,डॉ.विमल कुमार दुबे और डॉ. तरुण श्याम उपस्थित रहें।

एमजीयूजी में बीएससी फॉरेंसिक साइंस कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

» प्रवेश समिति की बैठक में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अब तक प्राप्त आवेदनों की हुई समीक्षा

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की प्रवेश समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। प्रवेश समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि इस सत्र से विश्वविद्यालय में बीएससी फॉरेंसिक साइंस का नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

प्रवेश समिति की बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय के प्रमुख पाठ्यक्रमों-पैरामेडिकल, बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, नर्सिंग, एग्रीकल्चर एवं बीबीए (लॉजिस्टिक्स) में सीटों की अपेक्षा से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिससे इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति समाज में जागरूकता और विद्यार्थियों का रुझान स्पष्ट है।

समिति के संयोजक ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों की सुविधा हेतु अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ६६६. ˇ४ ़ल्ल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।इस अवसर पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने आवेदन संख्या पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों विशेषकर बिहार व मित्र देश नेपाल के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे विश्वविद्यालय को सर्वव्यापी व शिक्षा के उत्कृष्ट स्तम्भ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए भी विश्वविद्यालय का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

बैठक में डॉ. प्रशांत एस (डीन, अकादमिक), श्रीकांत (डिप्टी रजिस्ट्रार), डॉ. डीएस अजीता (डीन, नर्सिंग संकाय), रोहित श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य, पैरामेडिकल कॉलेज), डॉ. सुनील कुमार सिंह (डीन, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय), डॉ. विमल कुमार दुबे (डीन, कृषि संकाय) और डॉ. तरुण श्याम (डीन, वाणिज्य संकाय) उपस्थित रहें।

आपातकालीन नर्सिंग सेवा का हुआ माक ड्रिल

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फैकेल्टी आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के विद्यार्थियों के समूह स्टूडेंट नर्सेज एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में आपातकालीन सेवाओं के लिए माकड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा आपातकालीन स्थिति में प्रभावी चिकित्सीय मदद का अभ्यास किया गया। अभ्यास के दौरान विद्यार्थियों ने सीखा कि कैसे आपात स्थिति का मुकाबला करना है। घायलों के जीवन की रक्षा कैसे करनी है। साथ ही विद्यार्थियों ने आपातकालीन उपकरणों के प्रयोग, रेस्क्यू की मूल विधियों और पीड़ितों को भावनात्मक सहयोग देने जैसे मानवीय पहलुओं का भी अभ्यास किया।

एमजीयूजी के विद्यार्थियों ने नर्सेज डे के अवसर पर आयोजित किया मॉकड्रिल

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के विद्यार्थियों के समूह स्टूडेंट नर्सेज

एसोसिएशन ने गुरुवार को नेशनल स्टूडेंट नर्सेज डे के अवसर पर आपातकालीन सेवाओं के लिए एक मॉकड्रिल का आयोजन किया। इस मॉकड्रिल में सभी छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और आपातकालीन परिस्थितियों को किस प्रकार प्रभावी ढंग से संभालना है, इसका अभ्यास किया। अभ्यास के माध्यम से उन्होंने यह सीखा कि ऐसी स्थितियों में कैसे शांत रहकर त्वरित निर्णय लेना है, घायलों की प्राथमिकता के अनुसार छंटाई (ट्रायेज) कैसे करनी है तथा जीवन रक्षक सहायता कैसे प्रदान करनी है। इस आयोजन में विद्यार्थियों ने अनुभव किया कि किसी आपदा या आपात स्थिति में समय प्रबंधन, प्रभावी संचार, मानसिक स्थिरता, संसाधनों का समुचित उपयोग और सहयोग की भावना कितनी आवश्यक होती है। ने न केवल छात्रों की व्यवहारिक क्षमता को मजबूत किया, बल्कि उन्हें आपातकालीन प्रबंधन, टीमवर्क, नेतृत्व और त्वरित प्रतिक्रिया जैसी महत्वपूर्ण दक्षताओं से भी परिचित कराया। इसके साथ ही, छात्रों ने यह भी आपातकालीन उपकरणों के प्रयोग, रेस्क्यू की मूल विधियों और पीड़ितों को भावनात्मक सहयोग देने जैसे मानवीय पहलुओं का भी अभ्यास किया।

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजित हुआ अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

अग्निशमन अधिकारी शांतनु कुमार यादव एवं उनकी टीम के नेतृत्व में सफल संपन्न हुआ

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्थापित महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में शुक्रवार को एक अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण अपराह्न 3:00 बजे अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के समक्ष अग्निशमन अधिकारी श्री शांतनु कुमार यादव एवं उनकी टीम के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में अस्पताल के सभी संकाय सदस्य, नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षाकर्मी एवं अन्य कर्मचारीगण पूरी निष्ठा और मनोयोग के साथ सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों के उपयोग, आपातकालीन निकासी प्रक्रिया तथा अग्निकांड की स्थिति में किए जाने वाले प्राथमिक उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करना तथा सभी कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जागरूकता को बढ़ाना था। महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा की गई यह पहल न केवल चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह अस्पताल कर्मियों एवं रोगियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है। चिकित्सालय प्रबंधन ने इस सहयोग के लिए गोरखपुर अग्निशमन विभाग का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी में आयोजित हुआ अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण

गोरखपुर (गो०मे०सं०) महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्थापित महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में शुक्रवार को एक अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन

कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण अपराह्न 3:00 बजे अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के समक्ष अग्निशमन अधिकारी शांतनु कुमार यादव एवं उनकी टीम के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में अस्पताल के सभी संकाय सदस्य, नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षाकर्मी एवं अन्य कर्मचारीगण पूरी निष्ठा और मनोयोग के साथ सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों के उपयोग, आपातकालीन निकासी प्रक्रिया तथा अग्निकांड की स्थिति में किए जाने वाले प्राथमिक उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करना तथा सभी कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जागरूकता को बढ़ाना था। महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा की गई यह पहल न केवल चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह अस्पताल कर्मियों एवं रोगियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है। चिकित्सालय प्रबंधन ने इस सहयोग के लिए गोरखपुर अग्निशमन विभाग का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

गोरखनाथ चिकित्सालय में अग्नि नियंत्रण का दिया गया प्रशिक्षण

अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण लेते गोरखनाथ चिकित्सालय के कर्मचारी • सौ. स्वयं

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में शुक्रवार को अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अग्निशमन अधिकारी शांतनु कुमार यादव व उनकी टीम ने विद्यार्थियों को अग्नि पर नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण में अस्पताल के सभी संकाय सदस्य, नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षाकर्मी एवं अन्य कर्मचारीगण पूरी निष्ठा और मनोयोग के साथ सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों के उपयोग, आपातकालीन निकासी प्रक्रिया तथा अग्निकांड की स्थिति में किए जाने वाले प्राथमिक उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करना तथा सभी कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जागरूकता को बढ़ाना था। महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा की गई यह पहल न केवल चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह अस्पताल कर्मियों एवं रोगियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है। चिकित्सालय प्रबंधन ने इस सहयोग के लिए गोरखपुर अग्निशमन विभाग का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

कृषि संकाय में उन्नति फाउंडेशन द्वारा आयोजित सॉफ्ट स्किल कार्यक्रम संपन्न

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में उन्नति फाउंडेशन द्वारा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग के सफलता पूर्वक

पूर्ण होने के उपरांत Valedictory Function का आयोजन किया। कार्यक्रम अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे के कुशल निर्देशन और उन्नति फाउंडेशन के मेंटर शिवानंद त्रिपाठी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन खुशी गुप्ता, आंचल चतुर्वेदी, प्रगति सिंह, अमित राय, आलोक गुप्ता ने एवं धन्यवाद ज्ञापन अनिकेत मल्ल द्वारा किया गया। इस दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ आयुष कुमार पाठक व डॉ नवनीत सिंह ने वक्तव्य के दौरान बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल एवं आत्म विश्वास को प्रोत्साहित करना है। प्रतिभागी में मुख्य रूप से आकृति, शिवानी, आस्था, मोतीलाल, विकाश, शीलू, ईशा, शुभम इत्यादि ने संगीत, नृत्य एवं अन्य कलाओं का प्रदर्शन किया। इसी क्रम में अमित चौधरी, शिखा एवं अन्य छात्रों ने अनुभव साझा किया। अनिकेत मल्ल ने धन्यवाद ज्ञापन किया, तथा कृषि संकाय के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

नर्स को मां की तरह रखना चाहिए रोगी का ख्याल : डा. डीएस

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के मौके पर 'हमारी नर्सें, हमारा भविष्य व नर्सों की देखभाल से अर्थव्यवस्था मजबूत होती है' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य सेवा के दौरान नर्सों की भूमिका को रेखांकित किया गया।

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. डीएस अजीथा ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के मौके पर कहा कि नर्सों में मां का किरदार होता है। नर्सों को मां की तरह अपने मरीज का ख्याल रखना चाहिए, नर्सों को किसी चीज की लालसा किए बिना अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। यह दिन उन सभी नर्सों को समर्पित है जो दिन-रात बिना थके, पूरी निष्ठा और करुणा के साथ अपनी सेवाएं देती हैं। नर्सें न केवल एक पेशेवर होती हैं, बल्कि वे हमारे जीवन की कठिन घड़ियों में उम्मीद की किरण होती हैं।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नर्सें निस्वार्थ सेवा, धैर्य और मानवीय संवेदनाओं की प्रतीक हैं। हमारे जीवन में, चाहे बीमारी हो या स्वास्थ्य की रक्षा, नर्सें हमेशा आगे रहती हैं। कोविड जैसी महामारी में हमने देखा कि कैसे नर्सों ने जान की परवाह किए बिना लोगों की सेवा की। वे सचमुच असली हीरो हैं। आज हम उन सभी नर्सों को धन्यवाद देते हैं, जो अपने कर्तव्य को

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के मौके पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में संबोधित करतीं डा. डीएस अजीथा • जागरण

पूजा की तरह निभाती हैं। हम उनके समर्पण, करुणा और सहनशक्ति को सलाम करते हैं। इसके बाद आयोजित पोस्टर प्रस्तुति, निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम आए विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया गया। इनमें निबंध प्रतियोगिता में अभिषेक यादव (बीएससी द्वितीय सेमेस्टर) और रूपाली (बीएससी छठवीं) सेमेस्टर ने पोस्टर प्रस्तुति में पहला स्थान प्राप्त किया। इसके बाद छात्रों ने नर्स दिवस के अवसर पर भाषण और अपने- अपने विचार व्यक्त किया तथा वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

जीवन की कठिन घड़ी में उम्मीद की किरण होती है नर्स

गोरखपुर (एसएनबी)। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर सोमवार को फैकल्टी आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हमारी नर्स हमारा भविष्य व नर्सों की देखभाल पर चर्चा की गयी।

कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. डीएस अजीथा तथा वाइस प्रिंसिपल श्रीमती प्रिंसी जार्ज के द्वारा दीप प्रज्वलन द्वारा की गई तथा नर्सिंग छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया। प्रिंसिपल डा. डीएस अजीता ने कहा कि नर्सों में मां का किरदार होता है,नर्सों को माँ की तरह अपने मरीज का ख्याल रखना चाहिए। नर्सों को किसी चीज़ की लालसा किये बिना अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। यह दिन उन सभी नर्सों को समर्पित है जो दिन-रात बिना थके, पूरी निष्ठा और करुणा के साथ अपनी सेवाएँ देती हैं। नर्से न केवल एक पेशेवर होती हैं, बल्कि वे हमारे जीवन की कठिन घड़ियों में एक उम्मीद की किरण होती हैं। वे निस्वार्थ सेवा, धैर्य और मानवीय संवेदनाओं की प्रतीक हैं। हमारे जीवन में, चाहे बीमारी हो या स्वास्थ्य की रक्षा, नर्से हमेशा आगे रहती हैं। कोविड जैसी महामारी में हमने देखा कि कैसे नर्सो ने जान की परवाह किए बिना लोगों की सेवा की, वे सचमुच असली हीरो हैं। आज हम उन सभी नर्सों को धन्यवाद देते हैं, जो अपने कर्तव्य को पूजा की तरह निभाती हैं। हम उनके समर्पण, करुणा और सहनशक्ति को सलाम करते हैं। तत्पश्चात पोस्टर प्रस्तुति, निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम आये हुए छात्रों को पुरस्कार वितरण किया गया, जिसमे निबंध प्रतियोगिता में अभिषेक यादव (बीएससी द्वितीय सेमेस्टर)और रूपाली (बीएससी छठवी) सेमेस्टर ने पोस्टर प्रस्तुति में पहला स्थान प्राप्त किया। इसके बाद छात्रों ने नर्स दिवस के अवसर पर भाषण और अपने- अपने विचार व्यक्त किया तथा वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

फैकल्टी आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नर्स दिवस पर कार्यक्रम

महायोगी गोरखनाथ विवि. में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में पुरस्कार देती प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा व वाइस प्रिंसिपल प्रिंसी जॉर्ज। फोटो : एसएनबी

जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी –डॉ. जीएस तोमर

गोरखपुर, 16 मई। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 'एक राष्ट्र–एक स्वास्थ्य तंत्र = वर्तमान समय की आवश्यकता' विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि यूं तो चिकित्सा की हर विधा महत्वपूर्ण है लेकिन समग्र रूप से देखें तो जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी है।डॉ. तोमर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए।

उनके इस स्वप्न को साकार करने का बीड़ा हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उठाया है। उन्होंने कहा देश में आज आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित अनेक चिकित्सा विधाएँ प्रचलित हैं। प्रत्येक विधा की अपनी अपनी विशेषताएँ एवं सीमाएँ होती हैं। अतः प्रत्येक विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी में आयुष विश्वविद्यालय के परामर्शदाता डॉ रमाकांत द्विवेदी एवं डॉ लक्ष्मी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं ।

समाचार दर्पण

जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी : तोमर

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 'एक राष्ट्र-एक स्वास्थ्य तंत्रः वर्तमान समय की आवश्यकता' विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि यूं तो चिकित्सा की हर विधा महत्वपूर्ण है लेकिन समग्र रूप से देखें तो जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी है।

डॉ. तोमर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए। उनके इस स्वप को साकार करने का बीड़ा हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री ने उठाया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चिकित्सा विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो। डॉ. तोमर ने कहा कि देश के सभी चिकित्सालयों में प्रत्येक विधा की सुविधा एक ही छत के नीचे किया जाना चाहिए जिससे कैफेटेरिया की तरह रोगी अपनी

■ एमजीयूजी में वैज्ञानिक संगोष्ठी

आवश्यकता के अनुसार विधा के चयन करने के लिए स्वतंत्र हो। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी में आयुष विवि के परामर्शदाता डॉ. रमाकांत द्विवेदी एवं डॉ. लक्ष्मी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं।

वैज्ञानिक संगोष्ठी को संबोधित करते डा.जीएस तोमर।

एक राष्ट्र एक स्वास्थ्य तंत्र पर वैज्ञानिक संगोष्ठी

जीवनशैली जन्य रोगों के लिए आयुर्वेद संजीवनी - डॉ जी एस तोमर

गोरखपुरः गुरु गोरक्षनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रवेक कल्प के सौजन्य से 'एक राष्ट्र एक स्वास्थ्य तंत्र - वर्तमान समय की आवश्यकता' विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी सम्पन्न हुई जिसमें संस्थान के सभी चिकित्सकों ने प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम् एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ अवनीश कुमार द्विवेदी सहित प्रतिभाग किया । इस अवसर पर आयुष विश्वविद्यालय के परामर्शदाता डॉ रमाकांत द्विवेदी एवं डॉ लक्ष्मी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं । संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो (डॉ) जी एस तोमर ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए । उनके इस स्वप्न को साकार करने का बीड़ा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उठाया है । डॉ तोमर ने कहा देश में आज आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित अनेक चिकित्सा विधाएँ प्रचलित हैं । प्रत्येक विधा की अपनी अपनी विशेषताएँ एवं सीमाएँ होती हैं । अतः प्रत्येक विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो । इस उद्देश्य के दृष्टिगत आरोग्य भारती से भी सुझाव माँगे गए । जिसके लिए एक समिति का गठन किया गया । मैं भी उसका एक सदस्य हूँ । उन्होंने कहा कि एलोपैथी जहाँ आकस्मिक चिकित्सा एवं शल्य क्रिया के लिए विकसित विधा है वहीं आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है । बच्चों के रोगों में होम्योपैथी का एक महत्वपूर्ण स्थान है । अतः इन विशेषताओं को ध्यान में रखकर एक ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए जो सर्वसमावेशी एवं सम्पूर्ण हो । इस दृष्टि से आरोग्य भारती ने अपना सुझाव राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय जी के माध्यम से नीति आयोग को भेजा है । उन्होंने आगे बताया कि देश के सभी चिकित्सालयों में प्रत्येक विधा की सुविधा एक ही छत के नीचे किया जाना चाहिए । जिससे केफीटेरिया की तरह रोगी अपनी आवश्यकता के अनुसार विधा के चयन करने के लिए स्वतंत्र हो । इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम्, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे । संगोष्ठी के पूर्व डॉ तोमर ने संस्थान के छात्रों को 'मधुमेह प्रबंधन - एक आयुर्वेदिक दृष्टिकोण' विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया एवं महंत दिग्विजय नाथ चिकित्सालय आरोग्यधाम में शताधिक रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया । इस अवसर पर गुणवत्ता के लिए जाने जानी वाली औषधि निर्माणशाला प्रवेक कल्प की ओर से निःशुल्क बीएमडी जाँच की व्यवस्था भी कराई गई ।

Scientific seminar on One Nation One Health System

Ayurveda Sanjeevani for lifestyle diseases - Dr. G.S. Tomar

JUSTICE EXPRESS

Gorakhpur: A scientific seminar on the topic "One Nation One Health System - The need of today" was organized under the joint aegis of Arogya Bharti, Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences, Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur, and Vishwa Ayurveda Mission, courtesy of Pravek Kalp, in which all the doctors of the institute participated including Principal Dr. Giridhar Vedantam and Medical Superintendent Dr. Avnish Kumar Dwivedi. On this occasion, consultants of AYUSH University Dr. Ramakant Dwivedi and Dr. Lakshmi Dwivedi were also present. In his address as the keynote speaker of the seminar, founder president of Vishwa Ayurveda Mission and national executive council member of Arogya Bharti, Prof (Dr) GS Tomar said that former Prime Minister Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee had dreamt that there should be only one health system in a nation. Our illustrious Prime Minister Narendra Modi has taken up the task of realising his dream. Dr Tomar said that today many medical systems are prevalent in the country including Ayurveda, Allopathy, Homeopathy, Unani, Siddha, Yoga and Naturopathy. Each system has its own strength and limitations. Therefore, a combined health system should be created by taking the goodness of each system which is complete and holistic in itself. In view of this objective, suggestions were also sought from Arogya Bharti. For which a committee was constituted. I am also a member of it. He said that while allopathy is a developed system for emergency medicine and surgery, Ayurveda is a panacea for health protection, promotion and lifestyle diseases. Homeopathy has an important place in children's diseases. Therefore, keeping these characteristics in mind, a curriculum should be framed which is all-inclusive and complete. In this regard, Arogya Bharti has sent its suggestion to NITI Aayog through National Organization Secretary Dr. Ashok Kumar Varshney. He further said that in all the hospitals of the country, facilities of every discipline should be provided under one roof. So that like a cafeteria, the patient is free to choose the discipline according to his need. On this occasion, the Principal of the Institute, Dr. Giridhar Vedantam, Hospital Superintendent Dr. Avnish Dwivedi etc. also expressed their views. Before the seminar, Dr. Tomar gave a detailed lecture to the students of the institute on the topic "Diabetes Management - An Ayurvedic Perspective" and provided free medical consultation to more than a hundred patients at Mahant Digvijay Nath Hospital Arogyadham. On this occasion, free BMD testing was also arranged by Pravek Kalp, a medicine manufacturing school known for its quality.

Ayurveda is a lifeline for the treatment of lifestyle diseases: Dr. GS Tomar

GORAKHPUR: A scientific seminar on the topic 'One Nation-One Health System: The need of the hour' was organized on Friday under the joint aegis of Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda College) of Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur (MGUG) and Vishwa Ayurveda Mission.

On this occasion, the founder president of Vishwa Ayurveda Mission, Dr. GS Tomar, who was present as the keynote speaker, said that although every discipline of medicine is important, but if seen holistically, Ayurveda is a lifeline for the treatment of lifestyle diseases. Dr. Tomar said that former Prime Minister Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee had dreamt that there should be only one health system in a nation. Our current Prime Minister Narendra Modi has taken up the task of realizing his dream. He said that many medical disciplines including Ayurveda, Allopathy, Homeopathy, Unani, Siddha, Yoga and Naturopathy are prevalent in the country today. Each discipline has its own characteristics and limitations. Therefore, a combined health system should be created by taking the goodness of each discipline which is complete and holistic in itself.

जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी : डॉ. जीएस तोमर

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 'एक राष्ट्र-एक स्वास्थ्य तंत्र : वर्तमान समय की आवश्यकता' विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि यूं तो चिकित्सा की हर विधा महत्वपूर्ण है लेकिन समग्र रूप से देखें तो जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी है।

डॉ. तोमर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए। उनके इस स्वप्न को साकार करने का बीड़ा हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उठाया है। उन्होंने कहा देश में आज आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित अनेक चिकित्सा विधाएँ प्रचलित हैं। प्रत्येक विधा की अपनी अपनी विशेषताएँ एवं

• एमजीयूजी में 'एक राष्ट्र-एक स्वास्थ्य तंत्र' विषय पर पर वैज्ञानिक संगोष्ठी

सीमाएँ होती हैं। अतः प्रत्येक विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो।

डॉ. तोमर ने कहा कि देश के सभी चिकित्सालयों में प्रत्येक विधा की सुविधा एक ही छत के नीचे किया जाना चाहिए जिससे कैफेटेरिया की तरह रोगी अपनी आवश्यकता के अनुसार विधा के चयन करने के लिए स्वतंत्र हो। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे।

जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनीः डॉ. जीएस तोमर

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (आयुर्वेद कॉलेज) एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 'एक राष्ट्र-एक स्वास्थ्य तंत्र = वर्तमान समय की आवश्यकता' विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि यूं तो चिकित्सा की हर विधा महत्वपूर्ण है लेकिन समग्र रूप से देखें तो जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी है।

डॉ. तोमर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए। उनके इस स्वप्न को साकार करने का बीड़ा हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उठाया है। उन्होंने कहा देश में आज आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित अनेक चिकित्सा विधाएँ प्रचलित हैं। प्रत्येक विधा की अपनी अपनी विशेषताएँ एवं सीमाएँ होती हैं। अत- प्रत्येक विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो। डॉ. तोमर ने कहा कि देश के सभी चिकित्सालयों में प्रत्येक विधा की सुविधा एक ही छत के नीचे किया जाना चाहिए जिससे कैफेटेरिया की तरह रोगी अपनी आवश्यकता के अनुसार विधा के चयन करने के लिए स्वतंत्र हो। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी में आयुष विश्वविद्यालय के परामर्शदाता डॉ रमाकांत द्विवेदी एवं डॉ लक्ष्मी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं। संगोष्ठी के पूर्व डॉ तोमर ने संस्थान के छात्रों को ÷मधुमेह प्रबंधन - एक आयुर्वेदिक दृष्टिकोण÷ विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया एवं महंत दिग्विजय नाथ चिकित्सालय आरोग्यधाम में करीब डेढ़ सौ रोगियों को निश्शुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया । इस अवसर पर गुणवत्ता के लिए जाने जानी वाली औषधि निर्माणशाला प्रवेक कल्प की ओर से निश्शुल्क बीएमडी जाँच की व्यवस्था भी कराई गई।

जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी : डॉ. जीएस तोमर

एमजीयूजी में "एक राष्ट्र-एक स्वास्थ्य तंत्र" विषय पर आयोजित हुआ वैज्ञानिक संगोष्ठी

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में "एक राष्ट्र-एक स्वास्थ्य तंत्र : वर्तमान समय की आवश्यकता" विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि यूं तो चिकित्सा की हर विधा महत्वपूर्ण है लेकिन समग्र रूप से देखें तो जीवनशैली जन्य रोगों के निदान के लिए आयुर्वेद संजीवनी है। डॉ. तोमर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए। उनके इस स्वप्न को साकार करने का बीड़ा हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उठाया है। उन्होंने कहा देश में आज आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित अनेक चिकित्सा विधाएँ प्रचलित हैं। प्रत्येक विधा की अपनी अपनी विशेषताएँ एवं सीमाएँ होती हैं। अतः प्रत्येक विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो। डॉ. तोमर ने कहा कि देश के सभी चिकित्सालयों में प्रत्येक विधा की सुविधा एक ही छत के नीचे किया जाना चाहिए जिससे कैफेटेरिया की तरह रोगी अपनी आवश्यकता के अनुसार विधा के चयन करने के लिए स्वतंत्र हो। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम्, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी में आयुष विश्वविद्यालय के परामर्शदाता डॉ रमाकांत द्विवेदी एवं डॉ लक्ष्मी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं । संगोष्ठी के पूर्व डॉ तोमर ने संस्थान के छात्रों को "मधुमेह प्रबंधन - एक आयुर्वेदिक दृष्टिकोण" विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया एवं महंत दिग्विजय नाथ चिकित्सालय आरोग्यधाम में करीब डेढ़ सौ रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। इस अवसर पर गुणवत्ता के लिए जाने जानी वाली औषधि निर्माणशाला प्रवेक कल्प की ओर से निःशुल्क बीएमडी जाँच की व्यवस्था भी कराई गई।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी में सत्र 2025-26 में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न

- दो पालियों में शामिल हुए 3567 परीक्षार्थी, पहली पाली में अनुपस्थित को दूसरी पाली में मिला मौका
- परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए रही विशेष व्यवस्था

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए। एमजीयूजी में रविवार को हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वस्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी) में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

एमजीयूजी में नर्सिंग कोर्स में प्रवेश के लिए दो पालियों में हुई परीक्षा

पहली पाली में गैरहाजिरों को दूसरी में मिला मौका

- दो पालियों में हुई प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हुए कुल 3567 परीक्षार्थी
- परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों व अभिभावकों के लिए रही विशेष व्यवस्था

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में नर्सिंग कोर्स में प्रवेश के लिए रविवार को दो पालियों में परीक्षा हुई। विवि में संचालित नर्सिंग पाठ्यक्रम बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा हुई। विश्वविद्यालय परिसर के नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में संपन्न हुई परीक्षा में दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी सम्मलित हुए।

प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत दूसरी पाली की परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, और किसी भी आपात स्थिति के लिए चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थी। • हिन्दुस्तान

इन विषयों की प्रवेश परीक्षा 21 और 25 मई को होगी

प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न

गोरखपुर, १८ मई। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए। एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वस्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माईक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माईक्रोबायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी) में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

❖ दो पालियों में शामिल हुए 3567 परीक्षार्थी, पहली पाली में अनुपस्थित को दूसरी पाली में मिला मौका

रविकिशन को संसद रत्न पुरस्कार मिलने से गदगद भाई

गोरखपुर, १८ मई। भोजपुरी सिनेमा के गौरव और गोरखपुर के सांसद रवि किशन शुक्ला को संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किए जाने की घोषणा पर भोजपुरी एसोशिएसन ऑफ़ इंडिया भाई ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।भाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि रविकिशन एक सुपर कलाकार हैं और कलाकार संवेदनशील होने के कारण प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय और अग्रणी होता है। एक सांसद के रूप में रवि किशन शुक्ला का ये सम्मान गोरखपुर सहित पूर्वांचल के लोगों के किए गौरव का विषय है ।

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा संपन्न, 2 पाली में शामिल हुए 3567 परीक्षार्थी

संवाददाता

गोरखपुर। एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए।विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वस्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे।प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है क्प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी) में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

"एक राष्ट्र एक स्वास्थ्य तंत्र - वर्तमान समय की आवश्यकता" विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी सम्पन्न

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए -डॉ जी एस तोमर

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। गुरु गोरखनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रवेक कल्प के सौजन्य से "एक राष्ट्र एक स्वास्थ्य तंत्र - वर्तमान समय की आवश्यकता" विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी सम्पन्न हुई जिसमें संस्थान के सभी चिकित्सकों ने प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम् एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ अवनीश कुमार द्विवेदी सहित प्रतिभाग किया। इस अवसर पर आयुष विश्वविद्यालय के परामर्शदाता डॉ रमाकांत द्विवेदी एवं डॉ लक्ष्मी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो (डॉ) जी एस तोमर ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी का सपना था कि एक राष्ट्र में एक ही स्वास्थ्य तंत्र होना चाहिए । उनके इस स्वप्न को साकार करने का बीड़ा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उठाया है । डॉ तोमर ने कहा देश में आज आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित अनेक चिकित्सा विधाएँ प्रचलित हैं । प्रत्येक विधा की अपनी अपनी विशेषताएँ एवं सीमाएँ होती हैं । अतः प्रत्येक विधा की अच्छाइयों को लेकर एक ऐसा संयुक्त स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए जो अपने आप में पूर्ण एवं समग्रतामूलक हो। इस उद्देश्य के दृष्टिगत आरोग्य भारती से भी सुझाव माँगे गए। जिसके लिए एक समिति का गठन किया गया । मैं भी उसका एक सदस्य हूँ। उन्होंने कहा कि एलोपैथी जहाँ आकस्मिक चिकित्सा एवं शल्य क्रिया के लिए विकसित विधा है वहीं आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। बच्चों के रोगों में होम्योपैथी का एक महत्वपूर्ण स्थान है। अतः इन विशेषताओं को ध्यान में रखकर एक ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए जो सर्वसमावेशी एवं सम्पूर्ण हो। इस दृष्टि से आरोग्य भारती ने अपना सुझाव राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय जी के माध्यम से नीति आयोग को भेजा है । उन्होंने आगे बताया कि देश के सभी चिकित्सालयों में प्रत्येक विधा की सुविधा एक ही छत के नीचे किया जाना चाहिए । जिससे केफीटेरिया की तरह रोगी अपनी आवश्यकता के अनुसार विधा के चयन करने के लिए स्वतंत्र हो । इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम्, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ अवनीश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी के पूर्व डॉ तोमर ने संस्थान के छात्रों को "मधुमेह प्रबंधन - एक आयुर्वेदिक दृष्टिकोण" विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया एवं महंत दिग्विजय नाथ चिकित्सालय आरोग्यधाम में शताधिक रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। इस अवसर पर गुणवत्ता के लिए जाने जानी वाली औषधि निर्माणशाला प्रवेक कल्प की ओर से निःशुल्क बीएमडी जाँच की व्यवस्था भी कराई गई।

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 3,567 अभ्यर्थी

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा रविवार को आयोजित की गई। इसमें 3,567 परीक्षार्थी शामिल हुए। किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने या पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों के लिए सहायता केंद्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, पार्किंग की सुविधा, निश्शुल्क स्वस्थ्य जांच की व्यवस्था कर रखी थी। कुलपति डा. सुरिंदर सिंह व कुल सचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

वीएससी आनर्स की परीक्षा 21 को : प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डा. शशिकांत सिंह ने बताया कि अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलाजी, डी फार्मा व बी फार्मा एलोपैथी) में प्रवेश के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को आयोजित होगी। एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, आप्टोमेट्री, आर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन आदि की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होंगी।

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए।

एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वस्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है।

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 3567 परीक्षार्थी

- पहली पाली में अनुपस्थित परीक्षार्थी को दूसरी पाली में मिला मौका
- विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा 21 और 25 मई को होगी
- परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए रही विशेष व्यवस्था

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए। एमजीयूजी में हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वस्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी) में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

समाचार दर्पण

नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 3,567 अभ्यर्थी

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा संपन्न

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए रविवार को दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई। नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों पर हुई। नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज केंद्र में दोनों पालियों को मिलाकर 3,567 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मलित हुए।

प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने या पहली पाली में अनुपस्थित अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदकों के लिए सहायता केंद्र व अभिभावकों के लिए जल के साथ गुड़, पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वास्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए संपूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे।

परीक्षा देते अभ्यर्थी। संवाद

बीएससी ऑनर्स की परीक्षा 21 को

प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी ऑनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डी फार्मा व बी फार्मा एलोपैथी) में प्रवेश के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई आयोजित होगी। वहीं, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स और पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए।

एमजीयूजी: नर्सिंग पाठ्यक्रमों की हुई प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर, अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए। एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया।

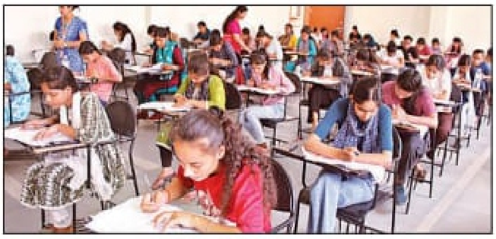

परीक्षा देते अभ्यर्थी। अमृत विचार

कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डीफार्म व बीफार्म एलोपैथी में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न

दो पालियों में शामिल हुए 3567 परीक्षार्थी, पहली पाली में अनुपस्थित को दूसरी पाली में मिला मौका

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 18 मई। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) मे सत्र 2025-26 मे प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों मे नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रो नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज मे सकुशल संपन्न हुई। दोनो पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा मे सम्मलित हुए। एमजीयूजी मे आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली मे अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा मे शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर मे जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वास्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों मे परीक्षा केंद्रो समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा मे पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा मे शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा मे विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है।

प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रो बायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी) मे प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न

- 0 दो पालियों में शामिल हुए 3567 परीक्षार्थी, पहली पाली में अनुपस्थित को दूसरी पाली में मिला मौका
- 0 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए रही विशेष व्यवस्था

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी में सत्र 2025.26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए।

एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, नि:शुल्क स्वस्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है।

प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रो बायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबी, आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम की डीजी ने की समीक्षा

- एमजीयूजी में संचालित रासेयो स्वयंसेवकों ने पुलिस के साथ कार्य करने के साझा किए अनुभव
- महिलाओं और पुरुषों को मिलकर कार्य करना चाहिए, जिससे महिलाएं सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा सकें : पुलिस महानिदेशक
- सामाजिक समझ विकसित करते हैं छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम : आशीष गुप्ता
- छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक है : डॉ. अखिलेश कुमार

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों एवं गोरखपुर जिले के 11 थाना क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों द्वारा पूर्ण किए गए छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम के द्वितीय चरण की समीक्षा बैठक गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित व्हाइट हाउस सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ) आशीष गुप्ता ने की। बैठक में एमजीयूजी में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने कहा कि छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक है। इससे छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व, संवाद कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने इसे शिक्षा और पुलिस प्रशासन के बीच एक सशक्त कड़ी बताते हुए कहा कि इस प्रकार की सहभागिता

युवाओं को व्यवहारिक अनुभव देती है और उन्हें बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती है। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवक सोनाली तिवारी, उत्कर्ष सिंह, अमरजीत, हिमांशु, दीनदयाल, आशीष आदि ने इस अनुभवात्मक अधिगम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। 11 थाना क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों ने भी कार्यक्रम के माध्यम से समाज में पुलिस की सकारात्मक छवि बनने की बात कही। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ) आशीष गुप्ता ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को व्यावहारिक शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं और पुरुषों को मिलकर कार्य करना चाहिए, जिससे महिलाएं सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, मुकेश, आदित्य, आशीष दुबे, उज्ज्वल सहित अन्य स्वयंसेवक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महिलाओं और पुरुषों को मिलकर कार्य करना चाहिए : आशीष गुप्ता

गोरखपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो।

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं गोरखपुर जिले के 11 थाना क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों द्वारा पूर्ण किए गए छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम के द्वितीय चरण की समीक्षा बैठक गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित व्हाइट हाउस सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ) आशीष गुप्ता ने की।

बैठक में एमजीयूजी में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने कहा कि छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक है। इससे छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व, संवाद

- छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम की डीजी ने की समीक्षा
- एमजीयूजी में छात्रों ने पुलिस के साथ काम करने के अनुभव किये साझा
- सामाजिक समझ विकसित करते हैं अधिगम कार्यक्रम : आशीष गुप्ता

कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने इस अनुभवात्मक अधिगम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। 11 थाना क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों ने भी कार्यक्रम के माध्यम से समाज में पुलिस की सकारात्मक छवि बनने की बात कही।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ) आशीष गुप्ता ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को व्यावहारिक शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं और पुरुषों को मिलकर कार्य करना चाहिए, जिससे महिलाएं सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य स्वयंसेवक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

सामाजिक समझ विकसित करते हैं अधिगम कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम के द्वितीय चरण की समीक्षा के लिए गुरुवार को पुलिस के लाइन व्हाइट हाउस सभागार में एक बैठक आयोजित हुई, जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (मगोवि) के राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के स्वयंसेवकों और जनपद के 11 थाना क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों ने हिस्सा लिया और अपने अनुभव को साझा किया।

बैठक में बतौर मुख्य अतिथि शामिल पुलिस महानिदेशक (रूल्स एंड मैनुअल्स) आशीष गुप्ता ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को व्यावहारिक शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं और पुरुषों को मिलकर कार्य करना चाहिए, जिससे महिलाएं सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक है। इससे छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व, संवाद कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवक सोनाली तिवारी, उत्कर्ष सिंह, अमरजीत, हिमांशु, दीनदयाल, आशीष आदि ने अनुभवात्मक अधिगम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। थानों के नोडल अधिकारियों ने भी समाज में पुलिस की सकारात्मक छवि बनने की सलाह दी।

शिविर में शिरकत करेंगे तीन कैडेट

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के तीन एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) कैडेट, सीमा दर्शन टूर एंड ट्रैक राष्ट्रीय शिविर बरेली में शामिल होंगे।

एक से आठ जून तक आयोजित राष्ट्रीय शिविर में 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से कुल पांच कैडेट का चयन राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। इनमें से तीन एमजीयूजी के हैं।

एमजीयूजी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय के तीन कैडेट लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी, कैडेट अरुण विश्वकर्मा और आलोक दीक्षित बटालियन का प्रतिनिधित्व करेंगे। एमजीयूजी के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने राष्ट्रीय शिविर में चयनित कैडेट को बधाई देते हुए कहा कि पूर्ण विश्वास है कैडेट अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर नई उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित सुवर्णप्राशन संस्कार समारोह में शामिल अतिथि।

सैकड़ों बच्चों का हुआ सुवर्णप्राशन

आयुर्वेद कॉलेज

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में शनिवार को बच्चों को सुवर्णप्राशन कराया गया। इसे विवि के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में आयोजित किया गया। पुष्य नक्षत्र के अवसर पर सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) कार्यक्रम में दूरदराज से आए 16 वर्ष से कम आयु के सैकड़ों बच्चों ने लिया। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आयुर्वेदिक टीकाकरण विधि बच्चों के समग्र विकास के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हो रही है। यह सेवा प्रत्येक पुष्य नक्षत्र को निःशुल्क रूप से उपलब्ध कराई जाती है। मौके पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, एवं शिशु व बाल रोग विभाग (आयुर्वेद) के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डॉ. श्रीलक्ष्मी मौजूद रहे।

मई माह की मुख्य बैठकें

06 मई, 2025 || माननीय कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालय की हाउसकीपिंग की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

कार्यवाही :

सभी प्राचार्य, डीन, विभागाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रभारियों ने अपने–अपने महाविद्यालय, संकाय, विभाग एवं कार्यालयों की सफाई से संबंधित समस्याओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

बीवीजी प्रतिनिधि ने उपरोक्त समस्याओं से अवगत होकर प्राथमिकता के आधार पर इनका समाधान करने एवं अनुबंध के अनुसार हाउसकीपिंग व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

सर्वसम्मति से बीवीजी कंपनी को समस्याओं का समाधान करने एवं सभी भवनों की समुचित सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए तथा अपेक्षा की गई कि अनुबंध के अनुसार हाउसकीपिंग व्यवस्था की जाए। साथ ही समीक्षा हेतु अगली बैठक 22 मई 2025 को आयोजित करने की जानकारी दी गई।

16 मई, 2025 || चिकित्सालय के सुचारू संचालन के लिए माननीय कुलपति की अध्यक्षता में ईएमओ/आरएमओ के साथ आयोजित बैठक का कार्यवृत्त।

कार्यवाही :

प्राप्त जानकारी के अनुसार चिकित्सालय की सेवाएं ठीक से काम नहीं कर रही हैं, चिकित्सालय की सेवाओं में सुधार किया जाए तथा रोगियों का समुचित उपचार किया जाए।

ओपीडी एवं आईपीडी में मरीजों की संख्या में वृद्धि के कारणों का पता लगाया जाए तथा मरीजों की संख्या में वृद्धि के लिए पूर्ण प्रयास किए जाएं।

विभिन्न वार्डों में तैनात नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टॉफ को वार्डों में उपलब्ध उपकरणों की समुचित जानकारी नहीं है, इसलिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाए।

प्रत्येक वार्ड में, विशेषकर आईसीयू की प्रत्येक शिफ्ट में एक प्रशिक्षित एवं एक अप्रशिक्षित स्टाफ सदस्य की ड्यूटी लगाई जाए।

सभी आईसीयू तकनीशियनों को प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षित करने की कार्रवाई की जाए।

चिकित्सालय की समुचित निगरानी का अभाव है, इसलिए निगरानी को सुदृढ़ किया जाए।

पैथोलॉजी जांच में आने वाली समस्याओं का समाधान किया जाएए ताकि वास्तविक रिपोर्ट तैयार की जा सके।

सभी ईएमओएस/आरएमओएस का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए तथा चिकित्सालय से संबंधित समस्याएं भेजी जाएं।

17 मई, 2025 || 17 मई, 2025 को माननीय कुलपति की अध्यक्षता में अस्पताल पैथोलॉजी में सुधार के संबंध में आयोजित बैठक का विवरण

कार्यवाही :

पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशालाओं की निगरानी सीधे माननीय कुलपति द्वारा की जाएगी

कार्ट्रिज की अनुपलब्धता के कारण आईसीयू में एवीजी स्क्रीनिंग नहीं की गई।

प्रशासनिक अधिकारी श्री आदित्य प्रताप सिंह ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण करेंगे तथा सभी उपकरणों ऊपर से नीचे तकद्व की रिपोर्ट देंगे।

डॉ. राधिका डॉ. शिवांगी शबी तथा डॉ. शाली मान को पैथोलॉजी विभाग में कार्य की गुणवत्ता की निगरानी करनी होगी तथा माननीय कुलपति को रिपोर्ट देनी होगी। किसी भी आपात स्थिति में उन्हें सीधे हम से संपर्क करना होगा।

मई माह की मुख्य बैठकें

चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों की सेवाओं की हर महीने समीक्षा की जाएगी।

ईआरपी प्लेटफॉर्म पर एक सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे चिकित्सालय में कार्यरत प्रत्येक डॉक्टर के आने–जाने पर नजर रखी जा सके।

अस्पताल में काम करने वाले प्रत्येक डॉक्टर के फुटफॉल की निगरानी के लिए ईआरपी प्लेटफॉर्म पर एक प्रणाली विकसित की जा रही है।

श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव को पैरामेडिकल छात्रों की पोस्टिंग से पहले उनके पाठ्यक्रम का सत्यापन करना होगा और उसके अनुसार संकाय और छात्रों दोनों की जांच करनी होगी।

डॉ. राधिका को लोड किए गए नमूने का पता लगाने और शहर में पेशेवर रूप से इसकी जांच करने का निर्देश दिया गया है।

डॉ. अनुराग श्रीवास्तव से अनुरोध है कि वे वर्तमान पाठ्यक्रम की समीक्षा करें और एक नया पाठ्यक्रम तैयार करें।

22 मई, 2025 || माननीय कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालय की हाउसकीपिंग की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

कार्यवाही :

सभी प्राचार्यों, डीन, विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय प्रभारियों ने अपने–अपने महाविद्यालयों, संकायों, विभागों एवं कार्यालयों की साफ–सफाई से संबंधित असंतोषजनक रिपोर्ट दी।

बीवीजी प्रतिनिधि ने उपरोक्त समस्याओं से अवगत होने के बाद, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करने और अनुबंध के अनुसार हाउसकीपिंग व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

बीवीजी कम्पनी को समस्याओं का समाधान करने तथा सभी भवनों की समुचित सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। अन्यथा हाउसकीपिंग सेवाओं में सुधार न होने पर अनुबंध समाप्त कर दिया जाएगा।

जून, 2025 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

16 से 20 जून, 2025	पीए–4 नागार्जुन बैच

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

19 से 26 जून, 2025	प्रायोगात्मक परीक्षा
27 से 28, 2025	तृतीय आंतरिक परीक्षा

फॉर्मेसी संकाय

21 जून, 2025	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

21 जून, 2025	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

कृषि संकाय

25 जून, 2025	आगामी सत्र हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

02 से 07 जून, 2025	द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा
05 जून, 2025	विश्व पर्यावरण दिवस
14 जून, 2025	विश्व रक्तदान दिवस

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

05 जून, 2025	विश्व पर्यावरण दिवस
21 जून, 2025	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

निर्माणाधीन परिसर

01 निर्माणाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

01 माननीय कुलपति

02 श्री एल वेंकटेश्वरलू

03 डॉ. जी.एस. तोमर एवं माननीय कुलसचिव

04 डॉ. गणेश यादव

05 स्वर्णप्राशन संस्कार

06 प्रो. जीजीआर चक्रवर्ती

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in https://www.mgug.ac.in/ +91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur